वर्ष : 16 ❖ अंक : 300 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 13 जून 2022

योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : पीएम मोदी 3

ई-नीलामी के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगा आईपीएल : बीसीसीआई 8

स्वास्थ्य सेवा में विकास के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा तैयार कर रही है सरकार : सीएम गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 जून । सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आज सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को सिक्किम के छात्रों के लिए पचास मुफ्त एमबीबीएस सीटें दिलाने में उनके हस्तक्षेप के लिए सम्मानित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने संस्थान को आवंटित कुल 150 एमबीबीएस सीटों में से सिक्किम के छात्रों के लिए कोटा बढ़ाकर 80 करने की कोशिश कर रहे हैं। इन 80 सीटों में से 30 पूर्ण भुगतान वाले, जबकि 50 सीटें सिक्किम के छात्रों के लिए मुफ्त आरक्षित होंगी।

कार्यक्रम का आयोजन सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय और राज्य कोटा हासिल करने वाले एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा किया गया था। एसएमयू के कुलपति व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह व प्रशस्तिपत्र भेंट किया। इसके बाद छात्रों और उनके अभिभावकों ने उन्हें आभार व्यक्त किया।

अपने भाषण में मुख्यमंत्री गोले ने सम्मान के लिए विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने पचास मुफ्त सीटों मिलने को टीम के प्रयास की जीत बताया। मुख्यमंत्री ने कुलपति और पूरे एसएमयू परिवार को संस्थान में चहुंमुखी विकास का माहौल बनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी के लिए एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए कई क्षेत्रों में राज्य सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया।

इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कि संस्थान से हर साल बड़ी संख्या में डॉक्टर पास आउट होंगे, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के भीतर अस्पतालों में उन्हें समायोजित करने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा तैयार कर रही है। उन्होंने नामची और सिंगताम में जिला अस्पतालों के उन्नयन के साथ-साथ कारफेक्टार में प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का उदाहरण दिया।

मुख्यमंत्री ने छात्रों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने और अपने माता-पिता और संस्थान को गौरवान्वित करने का आग्रह किया। उन्होंने सुझाव दिया कि मुफ्त एमबीबीएस सीटों मिलने के लिए अपना आभार व्यक्त करने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि जब आप डाक्टर बन जाएं तो कम से कम पांच रोगियों को पास आउट होने के बाद गोद लिया जाए।

मुख्यमंत्री गोले ने अपने बचपन के दिनों को याद किया जब उन्हें केवल कुछ पैसे कमाने के लिए नौकर का काम करना पड़ता था ताकि वे अपने लिए कुछ पुरानी किताबें और स्कूल यूनिफॉर्म खरीद सकें। उन्होंने यह भी साझा किया कि अपने पिता की अल्प आय और एक बड़े परिवार का भरण-पोषण करने के कारण, उन्हें एमबीए की डिग्री हासिल करने के अपने सपनों को छोड़ना पड़ा और जीवनयापन के लिए काम करना शुरू करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनकी अपनी जीवन कहानी ने उन्हें लोगों के उत्थान के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया ताकि उन्हें उचित शिक्षा और एक सभ्य जीवनशैली मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य कोटे के तहत सिक्किम मणिपाल आयुर्विज्ञान संस्थान में नामांकित डॉक्टरों को देखकर उन्हें अपार संतुष्टि मिली।

सिक्किम सरकार के शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने अपने संबोधन में सिक्किम के छात्रों के लिए एमबीबीएस की पचास मुफ्त सीटें सुनिश्चित करने में व्यक्तिगत हस्तक्षेप के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह एक अभूतपूर्व कदम है जो सिक्किम राज्य में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में एक छाप छोड़ेगा। मंत्री ने कहा कि यह केवल मुख्यमंत्री की एक-सूत्री प्रतिबद्धता और सिक्किम तथा उसके लोगों के प्रति उनकी ईमानदारी के कारण ही संभव हुआ है। अपने संबोधन में मंत्री ने सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय को सिक्किम की सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

इससे पहले, सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के कुलपति, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ राजन एस ग्रेवाल ने अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय को निरंतर समर्थन के लिए मुख्यमंत्री और सिक्किम सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने एमबीबीएस की पचास मुफ्त सीटें सुनिश्चित करने की दिशा में विशेष कदम उठाने और स्वास्थ्य देखभाल के मामले में राज्य को एक पसंदीदा स्थान बनने की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। कुलपति ने राज्य सरकार के सक्रिय सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

संपर्क अधिकारी, एसएमयू, डॉ संदीप कश्यप ने सिक्किम के नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा का समर्थन करने में सिक्किम सरकार की भूमिका के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को स्टेट कोटा के तहत एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र और मुफ्त कोटा हासिल करने वाले छात्र के माता-पिता द्वारा भी संबोधित किया गया। दोनों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'सिक्किम की सेवा में एसएमयू' नामक एक ब्रोशर का विमोचन भी किया, जिसे विश्वविद्यालय ने प्रमुख पहलों की शुरुआत करते हुए तैयार किया था। इसमें संस्थान के छात्रों ने संस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। कार्यक्रम का समापन डीन, एसएमआईएमएस, प्रो (डॉ.) मुरलीधर वी पाई द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. एमके शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन, जीपी उपाध्याय, आयुक्त-सह-सचिव, स्वास्थ्य, डी. आनंदन, सचिव सीएमओ डॉ. एसडी ढकाल, निदेशक, उच्च शिक्षा, श्रीमती होंडाला ग्यालत्सेन, निदेशक, रजिस्ट्रार, एसएमयू के अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लिंगदाम मठ के सम्मान समारोह में शामिल हुए सीएम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 जून । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आज लिंगदाम मठ रांका में सम्मान समारोह में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने महामहिम जुर्मंग घरवांग रिंपोछे की भव्य उपस्थिति में मठ और शेडरा के सभी स्नातक भिक्षुओं को 'समापन प्रमाण पत्र' प्रदान किया। महामहिम घरवांग रिंपोछे ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के साथ मंत्री केएन लेप्चा, मंत्री सोनम लामा, मंत्री अरुण उप्रेती, विधायक सोनम वेंचुंग्पा, सचिव, उपशास्त्रीय विभाग, डॉ. पासांग डी. फेम्पू, अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, भिक्षु, लामा आदि शामिल हुए।

पानी की बोतलों की जगह कोल्ड ड्रिंक की बोतलों पर लगे प्रतिबंध : छिरिंग वांग्दी लेप्चा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 जून । सिक्किम में पैकेज्ड पीने के पानी पर प्रतिबंध है और यह एक स्वागत योग्य कदम है लेकिन इसका कोई विकल्प कहीं नहीं दिखता। इस कदम ने ज्यादातर होटल व्यवसायियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है क्योंकि पर्यटक अपने होटल के कमरों में इसे ले जाने और उसी की उम्मीद करने के आदी हैं। यह बात पूर्व मंत्री छिरिंग वांग्दी लेप्चा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि एक बड़ा 5 लीटर का पैक उपलब्ध है लेकिन यह महंगा है और अधिकांश पानी बर्बाद हो जाता है। अधिकांश पर्यटक खुला पानी पीने से इन्कार कर देते हैं क्यों उन्हें लगता है कि यह नल का पानी है। इसलिए, पर्यावरण की सुरक्षा और लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, बेहतर है कि हम पानी की बोतलों को फिर से शुरू कर दें और इसके बजाय पेप्सी, कोक, कुरकुरे, चिप्स, गुटखा पर प्रतिबंध लगा दें क्योंकि ये पैकेट और बोतलें मिनरल वाटर की बोतलों की तुलना में अधिक गंदगी का कारण बनती हैं।

छिरिंग वांग्दी लेप्चाने कहा कि पानी की बोतल जरूरी है पेप्सी, कोक, चिप्स, कुरकुरे नहीं। लोग पानी के बिना नहीं रह सकते हैं, लेकिन पेप्सी और कोक के बिना रह सकते हैं। या फिर हमें हमारे मेहमानों को खुश रखने के लिए एक उपयुक्त विकल्प तैयार करना होगा, जिससे कि वे यहां ईश्वर प्रदत्त दृश्यों का आनंद ले सकें।

आत्मनिर्भर गांव के जरिये ही आत्मनिर्भर भारत का सपना होगा पूरा : अमित शाह

आणंद (गुजरात), 12 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न तभी पूरा हो सकता है, जब आत्मनिर्भर गांवों की संख्या बढ़ेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने गुजरात दौरे के तीसरे दिन इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद (इरमा) के 41वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए इरमा को और अधिक योगदान देने की जरूरत है, क्योंकि सहकारिता समावेशी है। सहकारिता को अधिक समावेशी, पारदर्शी, आधुनिक और टेक्नोलॉजीयुक्त बनाना है। सहकारिता के माध्यम से व्यक्ति और गांव को आत्मनिर्भर भी बनाना है। ये सब तभी हो सकता है जब इरमा जैसे संस्थान अपना योगदान बढ़ाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस देश के ग्रामीण विकास को गति देना, देश के अर्थतंत्र में ग्रामीण विकास को योगदान देने वाला बनाना और ग्रामीण विकास के माध्यम से गांव में रहने वाले हर व्यक्ति को समृद्धि की ओर ले जाना, ये किए बिना देश कभी आत्मनिर्भर नहीं हो सकता।

अगर आधुनिक जमाने में ग्रामीण विकास करना है तो इसके लिए पाठ्यक्रम बनाने होंगे, इसे फॉर्मलाइज करना होगा और आज के जमाने की जरूरतों के हिसाब से ग्रामीण विकास को परिवर्तित करके जमीन पर उतारना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना और अपेक्षा से भी आगे बढ़कर सहकारिता विभाग देश के ग्रामीण विकास में अपनी भूमिका बहुत अच्छी तरह से निभाएगा और ग्रामीण विकास द्रुतगति से होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'आज भी 70 प्रतिशत भारत गांवों में बसता है और सुविधाओं के आभाव के कारण यह देश के विकास में अपना योगदान देने से महरूम रह जाता है। अगर इसी 70 प्रतिशत टैलेंट को देश के अर्थतंत्र को गति देने के काम से जोड़ दिया तो पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना पांच वर्षों में पूरा हो जाएगा।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'आज 251 युवा यहां से डिग्री लेकर जाएंगे। आज आप लोग यहां से शिक्षित होकर जा रहे हैं, लेकिन अपने साथ-साथ उनका भी विचार करें, जिनके लिए अच्छा जीवन, शिक्षा, दो वक़्त की रोटी एक स्वप्न है। करोड़ों रुपये कमाने पर भी आपको संतोष प्राप्त नहीं होगा, लेकिन अपने जीवन में एक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के बाद आपको आत्मसंतोष प्राप्त होगा। मुक्ति तभी मिलती है जब जीवन में संतोष होता है और संतोष दूसरों के लिए काम करने से ही मिलता है।'

स्वास्थ्य सेवा के मोर्चे पर विफल रही है एसकेएम सरकार : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 जून । पवन चामलिंग एसकेएम सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवा के मोर्चे पर उनकी उपलब्धियों के बारे में बोले गए झूठ की निंदा की। उन्होंने दावा किया कि वे एसडीएफ सरकार द्वारा बनाए गए बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में भी सक्षम नहीं हैं। पवन चामलिंग ने कहा कि वे बड़ा शोर मचा रहे हैं लेकिन असल में वे चालाकी से हमारे कामों को उनके रूप में फिर से तैयार करने के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं। नया एसटीएनएम और मेडिकल कॉलेज, 50 मेडिकल सीटें, नामची में नया अस्पताल, ये सभी एसडीएफ सरकार के कार्यकाल में किया गया।

ये बातें पवन चामलिंग ने अपने साप्ताहिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। उनसे पूछा गया था कि एसकेएम सरकार ने यह कहते हुए जोरदार अभियान शुरू किया है कि उन्होंने स्वास्थ्य सेवा में बहुत बड़ा सुधार किया है। आप उनके दावे को कैसे देखेंगे? इस पर पवन चामलिंग ने कहा कि उनकी उपलब्धियां इतनी कम हैं कि सरकार द्वारा खरीदी गई कुछ डायलिसिस मशीनें भी बड़ी चीज लगती हैं। एसकेएम केंद्रीय स्वास्थ्य योजनाओं को प्राप्त करने और राज्य की योजनाओं के रूप में उनके बारे में डींग मारने के अलावा और कुछ नहीं कर रहा है। इसके अलावा, सीएम का परिवार स्वास्थ्य प्रणाली पर एकाधिकार कर रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस परिवर्तन का उन्होंने वादा किया था, वह सिक्किम की राजनीति में मजाक का पात्र बन गया है। उनके पास अपनी उपलब्धियों के बारे में अपमानजनक दावे करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। गरीबी बढ़ रही है, बेरोजगारी के मुद्दे आसमान छू रहे हैं, सड़कों की स्थिति बदतर हो गई है, कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है, अपराध दर लगातार बढ़ रही है। लगातार बढ़ते भ्रष्टाचार के मामलों के कारण सिक्किम राष्ट्रीय सुर्खियां बटोर रहा है। बाहरी लोगों ने सिक्किम की संपत्ति खरीदना शुरू कर दिया है। एकमात्र सच्चा परिवर्तन यह रहा है कि सबसे तेजी से विकासशील, शांतिपूर्ण और सुरक्षित सिक्किम अनजाने में एक प्रतिगामी, दुखी और असुरक्षित सिक्किम में बदल गया है। एसकेएम सरकार केवल कुछ डायलिसिस मशीन खरीद कर उसे ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित कर रही है।

एसडीएफ अध्यक्ष ने कहा कि मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि कैसे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार के बारे में एसकेएम का दावा पिछली सरकार की उपलब्धियों की एक चालाकी के अलावा और कुछ नहीं है। एसडीएफ सरकार द्वारा हर क्षेत्र में बनाया गया बुनियादी ढांचा सिक्किम के लोगों की सेवा कर रहा है और आने वाले दशकों तक उनकी सेवा करता रहेगा। एसकेएम सरकार पिछले 3 वर्षों के दौरान बस उनका उद्घाटन करती रही है। हमने जो बनाया है वह पूरे सिक्किम में लोगों के उपयोग के लिए है। उन्होंने एक प्लास्टिक की कुर्सी भी नहीं खरीदी है।

पवन चामलिंग ने कहा कि हमने सोचेथांग में बड़े पैमाने पर नए एसटीएनएम अस्पताल की अवधारणा तैयार की और उसे मूर्त रूप दिया। यह भारत में किसी भी राज्य सरकार द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा अस्पताल है।

यह एम्स, नई दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर है। हमने इस ऐतिहासिक परियोजना को सफल बनाने के लिए विभिन्न बजटों को जोड़ा। मुझे पता है कि हमने इसे कैसे प्रबंधित किया। अत्याधुनिक अस्पताल भवनों के अलावा, हमने अति-आधुनिक उपकरण और फर्नीचर भी खरीदे। मैं व्यक्तिगत रूप से कोलकाता में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सीएमडी से 300 करोड़ रुपये के ऋण के लिए उनसे मुलाकात की थी जिससे अस्त्रताल के उपकरण खरीदे गए। मैंने उन्हें जरूरत और योजना के बारे में बताया। बैंक ने नाममात्र के ब्याज पर ऋण स्वीकृत किया।

उन्होंने कहा कि वे इन अप्रयुक्त उपकरणों में से कई का उपयोग करने के लिए सक्षम तकनीशियनों को नियुक्त करने में भी सक्षम नहीं हैं। एसडीएफ सरकार की दीर्घकालिक दृष्टि सिक्किम के लोगों को राज्य में ही विश्व स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने की है। इस अस्पताल की परिकल्पना देश के इस हिस्से में सिक्किम को अंतिम स्वास्थ्य देखभाल और उपचार केंद्र बनाने की दृष्टि से की गई थी। स्वास्थ्य पर्यटन हमारा विजन था। एसकेएम सरकार रेडीमेड अस्पताल चलाने के लिए क्या कर रही है।

पवन चामलिंग ने कहा कि अगर किसी को कोई शंका है तो वह आरटीआई के जरिए पता लगा सकता है कि एसकेएम सरकार ने नए एसटीएनएम अस्पताल के लिए कौन से उपकरण और फर्नीचर आदि खरीदे हैं। हाई-एंड सुविधाओं से लेकर अल्ट्रा-मॉडर्न मशीनों से लेकर वर्ल्ड क्लास बेड तक सभी पिछली सरकार द्वारा खरीदे गए थे। दुर्भाग्य से, एसकेएम इस भवन का रखरखाव ठीक से नहीं कर पा रहा है और समय पर स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन का भुगतान नहीं कर पा रहा है। यह शर्म की बात है कि स्वास्थ्य मंत्री को खुद मणिपाल अस्पताल में सीटी स्कैन के लिए जाना पड़ा क्योंकि सरकार द्वारा भुगतान की कमी के कारण संबंधित कंपनी द्वारा एसटीएनएम अस्पताल का सीटी स्कैन बंद कर दिया गया था। ये सब तब हुआ जब सीएम के राजनीतिक सचिव ने जरूरत पड़ने पर मणिपाल अस्पताल चलाने की डींगें मारी थीं।

पश्चिम बंगाल में फिर हिंसा, हजारों की भीड़ ने ट्रेन पर किया हमला

कोलकाता, 12 जून (एजेन्सी)। भाजपा की निष्कासित नेत्री नूपुर शर्मा के बयान के बाद देश में हिंसक प्रदर्शनों का सिलसिला भी नहीं थम रहा है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हिंसा के बाद रविवार को नडिया जिले में भी प्रदर्शन हिंसक हो गया। यहां नडिया जिले के बेतुआधारी रेलवे स्टेशन पर लगभग एक हजार लोगों की भीड़ ने ट्रेन पर हमला कर दिया। लोगों ने ट्रेन पर जमकर पत्थरबाजी की और तोड़फोड़ की। जिसके बाद स्टेशन से ट्रेन की सेवाओं रोक दी गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उपद्रवियों ने कुछ दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया है।

एक अधिकारी ने बताया कि बड़ी संख्या में प्रदर्शकारी सड़क को जाम कर रहे थे। जब पुलिस ने उन्हें दौड़ाया तो उनमें से कुछ रेलवे स्टेशन में घुस गए और ट्रेन पर पत्थर फेंकने लगे। प्लेटफॉर्म पर जो ट्रेन खड़ी थी उसमें तोड़फोड़ की गई। इसके चलते लालगोला लाइन पर सेवा रुक गई है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना और मुर्शिदाबाद जिले में भी हिंसा हुई है।

एक दिन पहले हावड़ा में हिंसा हुई थी। इसके बाद मेदिनीपूरी में सियासी ड्रामा शुरू हो गया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के लिए प्रशासन की तरफ से पत्र जारी किया गया और कहा गया कि वह हावड़ा न जाएं। वहीं अधिकारी इस बात पर अड़े थे कि हावड़ा जाना उनका अधिकार है क्योंकि वहां भाजपा के कार्यालय पर हमला किया गया है। उन्होंने पुलिस को चुनौती दी कि अगर उन्हें रोका गया तो वह कोर्ट चले जाएंगे।

इसी तरह का विवाद बंगाल भाजपा चीफ सुकांत मजूमदार को लेकर भी हुआ। उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। टीएमसी का कहना है कि भाजपा नेता ऐसे संवेदनशील इलाकों में जाकर दंगा भड़काना चाहते हैं। वहीं पुलिस ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी को उनकी सुरक्षा की लिहाज से रोका गया। हावड़ा में धारा 144 लगाई गई है।

राहुल गांधी आज ईडी के सामने होंगे पेश, दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के मार्च को नहीं दी अनुमति

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने आज यानी 13 जून को कांग्रेस मुख्यालय से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ऑफिस तक निकलने वाली कांग्रेस की एक रैली को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। दरअसल, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 13 जून को पेश होने को कहा है।

नई दिल्ली जिले के डीसीपी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने एक कांग्रेस रैली की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा एआईसीसी मुख्यालय 24, अकबर रोड से एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ऑफिस तक जाने की इजाजत मांगी गई थी। जिले में सांप्रदायिक माहौल और कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए रैली की अनुमति नहीं देने का फैसला लिया गया है।

राहुल गांधी के ईडी के समक्ष पेश होने से एक दिन पहले कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बदले की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि राहुल पीछे नहीं हटेंगे। राहुल गांधी को 'नेशनल हेराल्ड-एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' सौदे संबंधी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 13 जून को ईडी के समक्ष पेश होना है।

ऐसे में कांग्रेस ने फैसला किया था कि पार्टी के सभी शीर्ष नेता और सांसद दिल्ली में ईडी के मुख्यालय तक विरोध मार्च निकालेंगे और ''सत्याग्रह'' करेंगे। वहीं, राज्यों में भी कांग्रेस नेता सोमवार को जांच एजेंसी के कार्यालयों तक मार्च निकालेंगे और सत्याग्रह करेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहुल गांधी को भेजा गया ईडी का समन निराधार है और ऐसा लगता होता है कि भाजपा नेता या पार्टी द्वारा शासित राज्य जांच एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं।

चिदंबरम ने कहा कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों के बीच एकता कायम करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए और ऐसा किया जाएगा। राहुल और सोनिया गांधी को ईडी के समन और सोमवार को जांच एजेंसी के सामने पेश होने के निर्देश को लेकर कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के फैसले के बारे में पूछे जाने पर चिदंबरम ने कहा कि मैं एक कांग्रेस सदस्य और एक वकील के रूप में अपनी बात रखना चाहता हूं। राहुल गांधी को पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के तहत भेजा गया ईडी का समन निराधार है।

सोनिया गांधी की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक उन्हें कोविड संबंधी दिक्कत थी। फिलहाल उन्हें अस्पताल में ही रखा गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने इस बारे में जानकारी दी। गौरतलब है कि नेशनल हेराल्ड केस ईडी ने सोनिया को पूछताछ के लिए 8 जून को उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजी थी। लेकिन उनके कोरोना से संक्रमित होने के चलते अब उन्हें 23 जून को ईडी के समक्ष उपस्थित होना है।

गौरतलब है कि पहले सोनिया को आठ जून को पेश होने के लिए ईडी ने नोटिस जारी किया था। लेकिन कोरोना संक्रमित होने के चलते तब सोनिया ने ईडी से तीन हफ्ते का समय मांगा था। बता दें कि इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को भी समन जारी किया। जांच एजेंसी ने राहुल गांधी को 13 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। एजेंसी की ओर से समन जारी किए जाने के बाद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वो सरकारी एजेंसियों की दुरुपयोग कर रही है।

उधर राहुल गांधी से पूछताछ के दिन 13 जून को कांग्रेस पार्टी शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में है। इसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक भी हो चुकी है। इस दौरान में 13 जून के मार्च की तैयारियों पर चर्चा हुई। कांग्रेस ने ने तय किया है कि वह दिल्ली सहित पूरे देश में ईडी कार्यालयों के सामने सत्याग्रह करेगी। इसके साथ पार्टी ने तय किया है कि दिल्ली में ईडी कार्यालय तक मार्च करेगी।

जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। दिल्ली के जामा मस्जिद के बाहर विरोध प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। आरोपी की पहचान मोहम्मद नदीम (43) और फहीम (37) के रूप में हुई है, दोनों दिल्ली के रहने वाले हैं। पुलिस ने इन्हें शनिवार देर रात गिरफ्तार किया।

डीसीपी (सेंट्रल) श्वेता चौहान ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा) के तहत 10 जून को मामला दर्ज किया गया।

हालांकि, पुलिस ने अब एफआईआर में धारा 153 ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिकूल कार्य करना) को भी जोड़ लिया है।

शुक्रवार को पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए बयान को लेकर भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग करते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने जामा मस्जिद के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया था।

जामा मस्जिद के शाही इमाम अहमद बुखारी ने कहा कि विरोध के लिए किसी भी तरह का आह्वान नहीं किया गया था। वह नहीं जानते कि ये प्रदर्शनकारी कौन थे।

नूपूर शर्मा द्वारा दिए गए विवादास्पद बयान ने एक अंतरराष्ट्रीय हंगामा खड़ा कर दिया है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन, इंडोनेशिया और ईरान समेत कई मुस्लिम देशों के साथ-साथ इस्लामिक सहयोग संगठन ने आधिकारिक तौर पर उनके बयानों का विरोध किया और माफी की मांग की है।

कार्बी परिषद के चुनाव बीजेपी का क्लीन स्वीप, कांग्रेस का नहीं खुला खाता

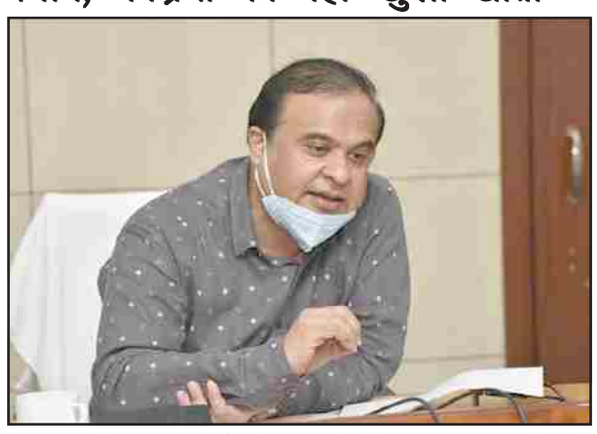

गुवाहाटी, 12 जून (एजेन्सी)। असम में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के लिए हुए चुनाव में बीजेपी की एकतरफा जीत हुई है। सत्ताधारी पार्टी बीजेपी ने सभी 26 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं, राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला।

परिषद की सभी 26 सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। 26 उम्मीदवारों के अलावा, परिषद में चार मनोनीत सदस्य हैं। बहुमत हासिल करने के लिए किसी पार्टी या गठबंधन को 16 या उससे अधिक सीटें जीतने की जरूरत थी। केएएडीसी चुनावों में बीजेपी की यह लगातार दूसरी जीत है।

चुनाव में जीत पर राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर कहा, 'असम बीजेपी को केएएसी चुनावों में लगातार दूसरी बार ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए हम कार्बी आंगलोंग के लोगों का झुककर सम्मान करते हैं। नगर निगम और जीएमसी चुनावों में जीत के बाद, यह बड़ी जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विश्वास के विजन में जनता के विश्वास का मुहर लगाता है।'

वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष असम के पार्टी प्रभारी बैजयंत जय पांडा ने ट्वीट कर कहा, 'यह असम बीजेपी के लिए कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद में सभी 26 सीटें जीतकर क्लीन स्वीप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और हिमंत बिस्वा सरमा जी के सक्षम नेतृत्व के मार्गदर्शन में पार्टी की ओर से जबरदस्त प्रदर्शन।'

गौरतलब है कि बुधवार को कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के लिए मतदान हुआ था और 78 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। पिछले साल सितंबर में कार्बी आंगलोंग जिले में सक्रिय पांच उग्रवादी संगठनों से हुए शांति समझौते के बाद कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के लिए पहली बार चुनाव कराए गए हैं। इन पर्वतीय जिलों में उग्रवादियों के साथ यह तीसरा समझौता है। इससे पूर्व वर्ष 1995 और 2011 में समझौते हुए थे।

पिछले साल हुए 'कार्बी आंगलोंग समझौते' के तहत करीब एक हजार उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया और सरकार ने कार्बी इलाके के लिए एक हजार करोड़ रुपए के विशेष विकास पैकेज की घोषणा की थी। कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के चुनाव के साथ ही बुधवार को बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद के लिए बक्सा जिले की कोलाबाड़ी सीट पर उपचुनाव कराया गया था और मतगणना रविवार को हुई।

दिल्ली पुलिस ने यमुना खादर में चलाया तलाशी अभियान, 2 अपराधियों को गोली मारी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी के यमुना खादर इलाके में दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान दो अपराधियों को गोली लगी, जबकि एक को गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

यमुना खादर जिसमें जंगल और प्रचुर क्षेत्र शामिल हैं, डकैती और अन्य जघन्य अपराधों के लिए एक संवेदनशील बिंदु बन गया है और अपराधियों का ठिकाना है। पिछले कुछ दिनों में यह बात सामने आई है कि खादर क्षेत्र में आसपास की सड़कों पर लूट आदि को अंजाम देकर अपराधी गायब हो जाते हैं।

मुठभेड़ के दौरान घायल हुए दो आरोपियों की पहचान दीपांशु चौहान और सूरज के रूप में हुई है। नीरज नाम के एक अन्य आरोपी को भी उस समय पकड़ लिया गया, जब वह भागने की कोशिश कर रहा था।

जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) संजय कुमार सेन ने शनिवार को बताया कि खादर क्षेत्र में लुटेरों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक व्यापक तलाशी अभियान की योजना बनाई गई और सीलमपुर और खजूरी खास की उप-मंडल टीमों और ऑपरेशन विंग को शामिल किया गया।

तलाशी अभियान के दौरान रात करीब 8.20 बजे पुलिस टीम घने जंगल में पहुंची, तो वहां 4-5 लोगों की संदिग्ध मौजूदगी देखी। पुलिस टीम चुपके से उस जगह की ओर बढ़ी, लेकिन लोगों ने पुलिस की मौजूदगी को भांप लिया और अचानक पुलिस टीम की दिशा में फायरिंग कर दी।

अधिकारी ने कहा, 'पुलिस दल ने उन्हें चेतावनी दी और उन्हें रोकने के लिए हवा में गोलियां चलाईं, लेकिन वे भागने लगे और फिर से पुलिस पर गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस दल ने भी उसी दिशा में गोलियां चलाईं, जिस कारण एक व्यक्ति को गोली लगी।' घायल व्यक्ति को जेपीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने कहा, 'इस समय उसका इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है।'

पुलिस ने उनके खिलाफ धारा 186/353/307/34 आइपीसी और 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस टीम पर फायरिंग करने वाले संदिग्ध लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

दोपहर करीब 2.15 बजे गढ़ी मेंधू गांव की ओर जाने वाली सड़क के किनारे पाइप लाइन के पास खादर क्षेत्र में 2-3 और संदिग्ध लोगों को देखा गया। पुलिस टीम को देख वे भी भागने लगे और पुलिस टीम ने उन्हें रुकने को कहा तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

डीसीपी सैन ने कहा, 'पुलिस टीम ने उन्हें चेतावनी दी और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने फिर से पुलिस पर गोलियां चलाईं। कोई विकल्प नहीं होने पर पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की और आत्मरक्षा में गोली चलाई। इस प्रक्रिया में उनमें से एक को गोली लग गई। घायल आरोपी को अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।'

इसके अलावा उक्त तलाशी अभियान के दौरान यमुना खादर क्षेत्र से कुल 25 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया।

जमात-ए-उलेमा हिंद का ओवैसी व मदनी पर यूपी में दंगे भड़काने का आरोप

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। पैगंबर मुहम्मद पर नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी के खिलाफ जुमे की नमाज के बाद हुई विभिन्न इलाकों में हिंसा पर जमात-ए-उलेमा हिंद ने असदुद्दीन ओवैसी और मौलाना मदनी पर हमले कराने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'वे मासूम बच्चों को आगे बढ़ाकर खुद घर में घुस गए। मुसलमान के नाम पर मलाई खाएं ये और लाठियां और गोलियां खाएं मासूम।'

उलेमा हिंद के अध्यक्ष सुहैब कासमी ने रविवार को मीडिया के सामने इस पूरे मसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'देश में किसी भी तरह की हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता है। हम हिंसा और महमूद मदनी, अरशद मदनी ओवैसी आदि लोगों के खिलाफ फतवा लाएंगे। इस फतवे पर देश के एक हजार मौलाना दस्तखत भी करेंगे।'

'हाल के दिनों में जो हालात पैदा हुए है उस पर गमजदा हैं। बीजेपी ने पार्टी की अपनी प्रवक्ता को निकाल दिया और उन पर कई राज्यों में मुकदमा भी दर्ज हुआ है। वहीं कानून अपना काम कर रही है। अचानक 15 दिन बाद शुक्रवार के दिन एक साथ प्रदर्शन शुरू हो गए। ये कोई बड़ी साजिश की तहत इशारा कर रहे हैं।'

संगठन की ओर से यह भी साफ कर दिया गया, 'हमें उन उलेमा को साथ लेना होगा, जो देश का विकास चाहते हैं। हम राष्ट्रीय मुद्दों पर देश के साथ रहेंगे। हमारा देश सविंधान से चलने वाला है। कानून काम कर रहा है। हम किसी हिंसा के पक्ष में नहीं हैं। बुलडोजर उन पर चलना चाहिए जो बयान देकर छुप गए हैं।'

नूपुर शर्मा को क्या माफी मांगनी चाहिए और उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए, इस पर कासमी ने कहा, 'उनको उनके बयान के बाद सजा मिली है, बीजेपी ने उन्हें बर्खास्त किया, हमें खुशी है। जहां तक कानूनी सजा का सवाल है, कानून अपना काम कर रहा है। उन्हें अपना काम करने देना चाहिए और नूपुर शर्मा को माफ कर देना चाहिए।'

'देश के ज्यादातर मुस्लिम संगठन केवल 20 करोड़ मुसलमानों की बात करते हैं, 135 करोड़ भारतीयों की बात नहीं करते। अहिंसा हमारी पहचान है। हम सरकार से जांच की मांग करेंगे कि कैसे विदेशी लोगों के साथ मिलकर ये साजिश रचते हैं।'

दरअसल, उत्तर प्रदेश पुलिस हिंसा में शामिल लोगों को गिरफ्तार व उन पर कार्रवाई करने में जुटी हुई है। प्रदेश में पुलिस ने अब तक 300 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रयागराज से 91, हाथरस से 51, सहारनपुर से 71, मुरादाबाद से 34, फिरोजाबाद से 15, अलीगढ़ से छह, अंबेडकरनगर से 34 और जालौन से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इन सभी के खिलाफ पथराव, माहौल बिगाड़ने तथा लोगों को भड़काने में लिप्त होने का आरोप है। बवाल करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार चल रही है। फिलहाल इन सभी जिलों के हिंसा वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था सामान्य है और हालात काबू में हैं।

पीएम मोदी 14 जून को महाराष्ट्र दौरे पर जाएंगे

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जून को मुंबई के राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन करने के लिए महाराष्ट्र जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी।

अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देहू, पुणे में जगद्गुरु श्री संत तुकाराम महाराज मंदिर और मुंबई में राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन करेंगे। शाम को, प्रधानमंत्री मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में 'बॉम्बे समाचार' (अब मुंबई समाचार) के द्विशताब्दी महोत्सव (200 वर्ष समारोह) में भाग लेंगे।

संत तुकाराम एक वारकरी संत और कवि थे, जिन्हें अभंग भक्ति कविता और कीर्तन के रूप में जाने जाने वाले आध्यात्मिक गीतों के माध्यम से समुदाय-उन्मुख पूजा के लिए जाना जाते हैं। वह देहू में रहते थे। उनकी मृत्यु के बाद एक शिला मंदिर बनाया गया था, लेकिन इसे औपचारिक रूप से मंदिर के रूप में संरचित नहीं किया गया था। इसे 36 चोटियों के साथ पत्थर की चिनाई में बनाया गया है और इसमें संत तुकाराम की मूर्ति भी है।

मुंबई में पीएम मोदी राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन करेंगे। जल भूषण 1885 से महाराष्ट्र के राज्यपाल का आधिकारिक निवास रहा है। अपना जीवनकाल पूरा करने पर, इसे ध्वस्त कर दिया गया और इसके स्थान पर एक नया भवन स्वीकृत किया गया। नए भवन की आधारशिला अगस्त 2019 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा रखी गई थी। पुराने भवन की सभी विशिष्ट विशेषताओं को नवनिर्मित भवन में संरक्षित किया गया है।

2016 में, महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल विद्यासागर राव को राजभवन में एक बंकर मिला था। इसका उपयोग पहले अंग्रेजों द्वारा हथियारों और गोला-बारूद के गुप्त भंडार के रूप में किया जाता था। बंकर को 2019 में पुनर्निर्मित किया गया था। गैलरी को बंकर में महाराष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के योगदान को मनाने के लिए अपनी तरह के एक संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है।

सीएम योगी का गृह विभाग को निर्देश- कार्रवाई ऐसी हो कि बने मिसाल

लखनऊ, 12 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों कुछ जिलों में हुई उपद्रव की घटनाओं के आरोपियों की पहचान कर इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के अपर मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिए हैं। सीएम ने इस मामले में गृह विभाग द्वारा रविवार को शाम तक की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश की शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं दी जाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाएं, जो मिसाल बने, ताकि भविष्य में कोई भी कानून हाथ में लेने का गुनाह न करे। उन्होंने किसी भी निर्दोष को नहीं छेड़ने और एक भी दोषी को नहीं छोड़ने के निर्देश भी दिए हैं।

योगी ने अपर मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिया है कि मामले में एक-एक व्यक्ति की सीसीटीवी और अन्य वीडियो माध्यमों से पहचान कर कार्रवाई करें। उन्होंने धर्म गुरुओं, सिविल सोसाइटी, शांति समिति से निरंतर संवाद रखने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य आरोपियों और साजिशकर्ताओं की आय के श्रोतों की पड़ताल करने, क्षति की वसूली सम्बंधित आरोपितों से ही करने और आरोपियों के खिलाफ एनएसए या गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

गृह विभाग ने उप्रदव मामले में अब तक हुए कार्रवाई से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इसमें उन्हें बताया गया कि प्रयागराज हिंसा मामले के मुख्य आरोपी जावेद का घर रविवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जावेद ने प्राधिकरण से आवास का मानचित्र स्वीकृत नहीं कराया था। इससे पूर्व प्राधिकरण ने कई बार उसे नोटिस जारी किया था, लेकिन वह प्राधिकरण में पेश नहीं हुआ था। आरोपी को मकान खाली करने और ध्वस्तीकरण के लिए रविवार को भी नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में प्रदेश के विभिन्न इलाकों से 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें फिरोजाबाद में 15, अंबेडकरनगर में 34, मुरादाबाद में 35, सहारनपुर 71, प्रयागराज में 92, हाथरस में 51, अलीगढ़ में छह और जालौन में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विभाग ने इस कार्रवाई के कानूनी आधार स्पष्ट करते हुए बताया कि यूपी गैंगेस्टर एक्ट की धारा 14ए के तहत अवैध रूप से कमाई गई संपत्ति का धवस्तीकरण या जब्तीकरण किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के प्रावधानों एवं एक्ट की धारा 27 के तहत भवन गिराने का आदेश देने संबंधी नियमों का उल्लेख है। जहां कोई विकास, महायोजना या आंचलिक विकास योजना के उल्लंघन में या एक्ट की धारा 14 में निर्दिष्ट अनुमति, अनुमोदन या स्वीकृति के बिना किया गया है, उसे प्राधिकरण द्वारा भवन स्वामी को नोटिस देकर हटाने या ध्वस्तीकरण का आदेश दिया जा सकता है। तय समय सीमा में भवन स्वामी द्वारा आदेश का अनुपालन न करने पर प्राधिकरण की ओर से निर्माण को हटाया दिया जाता है। ऐसी स्थिति में हटाने का खर्च (जितना प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित किया जाए) भूस्वामी से भू-राजस्व के रूप में वसूल होगा और ऐसी वसूली के लिए सिविल न्यायालय में कोई वाद दाखिल नहीं होगा।

विभाग ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों पर कार्रवाई के लिए उत्तर प्रदेश लोक परिसर (अनधिकृत कब्जा से बेदखली) अधिनियम 1973 में प्रावधान हैं। अधिनियम की धारा 04 (1) के अनुसार यदि निर्धेरित प्राधिकारी या तो स्वयं के प्रस्ताव पर या राज्य सरकार या कॉरपोरेट प्राधिकरण की ओर से प्राप्त आवेदन या रिपोर्ट पर यह राय रखता है कि कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक परिसर पर अनधिकृत कब्जा कर रहा है और उन्हें बेदखल कर दिया जाना चाहिए, तो प्राधिकारी लिखित रूप में एक नोटिस जारी करेगा। यदि कोई व्यक्ति धारा 5 की उप-धारा (1) के तहत बेदखली के आदेश का पालन करने से इनकार करता है या उसका पालन करने में विफल रहता है, तो निर्धारित प्राधिकारी द्वारा उस व्यक्ति को सार्वजनिक परिसर से बेदखल कर उस पर कब्जा किया जा सकता है और इसके लिए आवश्यक बल का भी प्रयोग किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, कहा- अधिग्रहण और मुआवजा चुकाने के बाद जमीन पूरी तरह सरकार की

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार यदि किसी जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया के तहत मुआवजा देकर कब्जा ले लेती है तो फिर उस जमीन पर भू स्वामी का कोई दावा नहीं रह जाता। ऐसी जमीन पर यदि वह कब्जा करता है तो इसे अवैध माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सही करार दिया है।

जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अवकाशकालीन पीठ उत्तर प्रदेश निवासी एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें 2 फरवरी को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के नोटिस को चुनौती दी गई थी। प्राधिकरण ने संबंधित व्यक्ति को जमीन के एक हिस्से से अपना अतिक्रमण हटाने के लिए कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता की जमीन का अधिग्रहण 1996 में ही हो चुका है, कब्जा लिया जा चुका है और 1894 के भूमि अधिग्रहण कानून के मुताबिक मुआवजा भी चुकाया जा चुका है। यूपी सरकार ने बताया कि राजस्व अभिलेखों में भी स्वामित्व बदला जा चुका है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता ने उस जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास संबंधित भूमि पर कब्जे का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि अधिग्रहण के बाद भूमि पूरी तरह राज्य का हिस्सा हो चुकी है। इस मामले में हस्तक्षेप से इन्कार कर हाईकोर्ट ने सही फैसला दिया है और हम हाईकोर्ट द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से पूरी तरह सहमत हैं। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : पीएम मोदी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 12 जून । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग के अनेक फायदे गिनाते हुए देश के सभी लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जिक्र करते हुए देश के सभी लोगों से इसमें शामिल होने का भी आग्रह किया।

रविवार को देश की कई भाषाओं में सिलसिलेवार एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'कुछ ही दिनों बाद दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। मेरा आग्रह है कि आप सभी योग दिवस का हिस्सा बनें और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इसके एक नहीं, अनेक लाभ हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट के साथ लोगों को योग के फायदे के बारे में जानकारी देते हुए 'हमारे दैनिक जीवन में योग' पर एक फिल्म को भी लोगों के साथ साझा किया।

बता दें कि भारत के आग्रह पर ही संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के मुताबिक, भारत समेत दुनियाभर में 21 जून 2015 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया था।

भारत सरकार ने इस बार भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने को लेकर खास तैयारी की है। मोदी सरकार के 75 मंत्री देश के 75 ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों पर योग करेंगे।

अब समय आ गया है तुम उठो और लड़ो, लालू यादव की जनता से भावुक अपील

पटना, 12 जून (का.सं.)। पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव ने बिहार की जनता से भावुक अपील की है। लालू ने अपने 75वं जन्मदिन पर आई शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद नोट जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि वह जिंदगी भर न्याय के लिए लड़ते रहे, अब लोगों के उठकर लड़ने का समय आ गया है।

लालू प्रसाद यादव ने रविवार को सोशल मीडिया पर थैंक्यू नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'संसाधनों की कमी से नहीं बल्कि मजबूत इरादों की कमी से न्याय की भावना को नुकसान पहुंचता है। इसलिए मैं देश और बिहार की जनता से अपील करता हूं कि अपने इरादों को मजबूत करो, सांप्रदायिकता और असामनता के खिलाफ मुखर आवाज बनो। अन्याय से लड़ो, बराबरी के लड़ो, ताकि हर गरीब, वंचित और शोषित को न्याय मिल सके।'

उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों की तरक्की होगी, तभी देश आगे बढ़ेगा। इनकी आवाज जितनी सशक्त होगी, देश उतना ही विकसित होगा। आखिर में लालू ने लिखा, 'मैं लड़ता रहा जीवन भर न्याय के लिए, अब समय आ गया है तुम उठो, तुम भी लड़ो।'

लालू यादव ने अपने जन्मदिन पर आरजेडी कार्यकर्ताओं द्वारा गरीबों को भोजन, राशन, पठन सामग्री बांटने और पौधारोपण एवं रक्तदान करने पर उनका आभार जताया। बता दें कि लालू यादव का शनिवार को 75वां जन्मदिन था। इस मौके पर उन्होंने आरजेडी कार्यालय में 75 किलो का लडडू तोड़कर कार्यकर्ताओं को खिलाया। साथ ही पार्टी दफ्तर में लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया गया।

आज सत्याग्रह करेगी कांग्रेस : पायलट

लखनऊ, 12 जून (एजेन्सी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट ने रविवार कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 13 जून को सरकार की एजेंसी में राहुल गांधी सम्मन का जवाब देंगे। पिछले 7 से 8 सालो से कोई ऐसी एजेंसी नही जिसका सरकार ने दुरुपयोग किया गया। कांग्रेस ने हेराल्ड मामले में सारे कागज रखे लेकिन जब जब कांग्रेस सरकार के खिलाफ बोलता है जो इस तरह को एजेंसियां सक्रिय हो जाती हैं। कांग्रेस कल इसका विरोध करते हुए सत्याग्रह करेगी।

सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी के साथ सभी सांसद और पदाधिकारी जवाब देंगे जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई और अन्य एजेंसियां वही कर रही जो सरकार चाहती है। ये सरकार की कोशिश है कि प्रमुख विपक्षी दलों की आवाज दबाई जाए। कल हमारे सांसद, पदाधिकारी समेत सभी लोग जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज महंगाई समेत बेरोजगारी बढ़ रही है। लेकिन सरकार को केवल भ्रमित करना आता है। राज्यसभा चुनाव में राजस्थान से हमारे तीनों उम्मीदवार जीते हैं। भाजपा ने अपनी संख्याबल से ज्यादा उम्मीदवार उतारे लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली ये कांग्रेस के लिए संतोष की बात है।

सीतामढ़ी में दो चीनी नागरिक गिरफ्तार, कोई लिगल डॉक्यूमेंट नहीं मिला

सीतामढ़ी, 12 जून (नि.सं.)। भारत-नेपाल सीमा पर गश्त लगा रहे एसएसबी जवानों ने रविवार को भिठ्ठामोड़ चेकपोस्ट के निकट संदिग्ध अवस्था में दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान चीने के वुहान निवासी युआन हैलोंग और लू लांग के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद दोनों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

51वीं बटालियन के प्रभारी कमांडेंट राजन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हेड कांस्टेबल मुरारी कुमार के नेतृत्व में जवान सीमा पर गश्त लगा रहे थे। इस दौरान पिलर संख्या 301 से करीब 10 मीटर भारतीय क्षेत्र में दो विदेशी नागरिकों को बॉर्डर की ओर जाते देखा।

संदेह होने पर जवानों ने रोक कर पूछताछ की। भाषा के आधार पर चीनी नागरिक होने की पुष्टि के बाद वीजा और पासपोर्ट की मांग की गयी। आवश्यक वीजा व पासपोर्ट नहीं होने पर जवानों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की सूचना सभी संबंधित एजेंसियों को दी गई है। संयुक्त पूछताछ में पता चला कि दोनों नागरिक थाईलैंड से काठमांडू 23 मई 2022 को आये थे।

सुरंसड थानाध्यक्ष नवलेश कुमार आजाद ने बताया कि एसएसबी के हेड कांस्टेबल मुरारी कुमार के बयान पर एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनके पास से एसएसबी ने दो पासपोर्ट, एक काला कपड़ा, ईयर फोन, मोबाइल पॉवर बैंक, कुल 133 डॉलर, भारतीय करेंसी पांच सौ के चार नोट, सिगरेट का डिब्बा, एटीएम कार्ड, मेडिसिन, इकोनोमी क्लास का बोर्डिंग पास आदि बरामद किये गए हैं।

दोनों चीनी साइकिल से नेपाल बॉर्डर तक पहुंचे। 24 मई को भारतीय सीमा में प्रवेश कर टैक्सी से नोएडा चले गए। वहां वे अपने मित्र के पास 10 जून तक रहे। नोएडा से दोनों टैक्सी से भिट्ठामोड़ पहुंचे। वहां से दोनों रिक्शा से सीमा पर करने की तैयारी में थे। इस दौरान सीमा पर तैनात जवानों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रभारी कमांडेंट ने बताया कि चीनी नागरिकों से प्राप्त सामान व मोबाइल फोन के संवाद के विश्लेषण से प्रतीत होता है कि दोनों वित्तीय जालसाजी में संलिप्त हो सकते हैं। दोनों किसी वित्तीय जालसाजी के रैकेट में सहयोगी भी हो सकते हैं। दोनों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

राज्यसभा चुनाव में मिली हार कोई झटका नहीं, प्रतिद्वंद्वियों का हुआ पर्दाफाश : हुड्डा

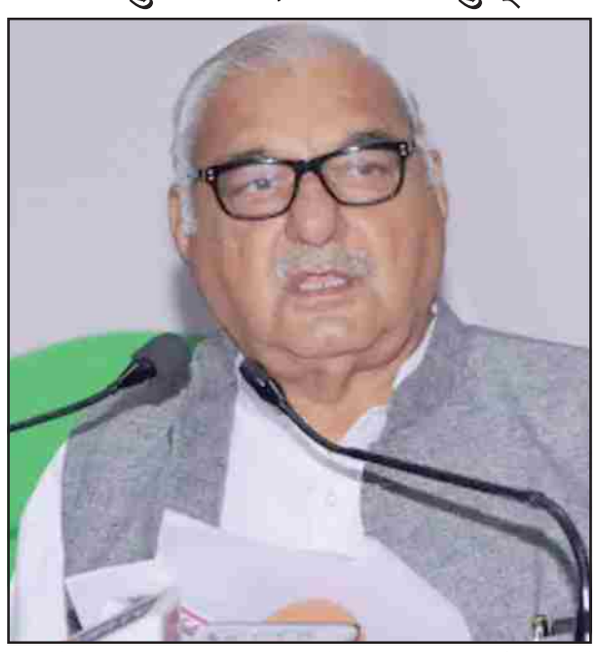

चंडीगढ़, 12 जून (एजेन्सी)। हरियाणा के पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने राज्यसभा चुनाव में हार को व्यक्तिगत झटका मानने से इनकार किया है।

हुड्डा ने कहा कि उन्हें इस प्रकरण से वास्तव में फायदा हुआ, क्योंकि इससे उनके प्रतिद्वंद्वियों का पर्दाफाश हुआ। उन्होंने कहा कि मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंदियों ने स्वार्थ भाव से काम किया। निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने कहा है कि विधायकों को मंडी की तरह खरीदा गया।

हुड्डा ने कहा, 'मुझे राज्यसभा चुनाव से फायदा हुआ है। प्रतिद्वंद्वियों का पर्दाफाश हो गया है। आप देखेंगे कि 2024 के विधानसभा चुनाव में जननायक जनता पार्टी को एक भी सीट नहीं मिलेगी। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) जिसके पास एक विधायक (अभय चौटाला) है, वह भी कहीं नहीं होगा।'

अभय पर आगे निशाना साधते हुए हुड्डा ने कहा कि ऐलनाबाद में उपचुनाव के दौरान वह बीजेपी के खिलाफ किसानों के नाम पर वोट मांगते थे और यहां तक कहते थे कि जेजेपी सबसे भ्रष्ट पार्टी है। लेकिन अब, उसने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में आप अपनी मर्जी से फैसले नहीं ले सकते, जनहित को ध्यान में रखना होगा।

हुड्डा ने कहा, 'शुरुआत में हमारे पास 31 वोट थे। मुझे 30 वोट मिलने का यकीन था, क्योंकि कभी-कभी गलत मार्किंग के कारण एक वोट अमान्य हो जाता है। कुलदीप बिश्नोई (आदमपुर विधायक) ने क्रॉस वोटिंग की। एक वोट अमान्य हो गया, हालांकि मुझे नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया कार्य था या अनजाने में। कुछ निहित स्वार्थ होने चाहिए। वोट ट्रांसफर के बाद ही निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई।'

हरियाणा के नतीजों को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के लिए झटका के तौर पर देखा गया है, क्योंकि माकन की जीत का रास्ता तैयार करने का ज्यादा दारोमदार हुड्डा के कंधों पर ही था। राज्य में वह कांग्रेस के सबसे ताकतवर नेताओं में गिने जाते हैं और पूरी ताकत लगाने के बावजूद माकन को जीत नहीं मिल सकी।

हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के 31 सदस्य हैं जो एक सीट के लिए उसके उम्मीदवार को जिताने के लिए आवश्यक है, लेकिन 'क्रॉस-वोटिंग' के चलते कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

शराब के नशे में धुत इंस्पेक्टर ने कार से रेस्टूरेंट में मारी टक्कर, बाल-बाल बचे कई राहगीर

पटना, 12 जून (का.सं.)। शराब के नशे में धुत होकर कार से रेस्टूरेंट में टक्कर मारने पर राजधानी पटना के पत्रकारनगर थाने की पुलिस ने बिहटा में तैनात एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर राजीव कुमार उर्फ विश्व राजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। कार भी पुलिस ने जब्त कर ली। वहीं शराब के नशे में धुत होकर हंगामा कर रहे कोईलवर आरा पीएचसी प्रभारी ब्रजभूषण शर्मा के बेटे अभिषेक शर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज कर पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पत्रकारनगर थाना प्रभारी मनोरंजन भारती ने बताया कि घटना शनिवार की देर रात की है। सूचना मिली कि एक कार चालक नशे में धुत होकर पत्रकारनगर के जलेश्वर मंदिर की ओर लहेरियाकट कार चलाते हुए जा रहा है। कार की चपेट में आने से कई राहगीर बच गए हैं।

सूचना के बाद पुलिस ने कार की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर चालक कार लेकर तेज गति से भागने लगा। भागने के दौरान चालक ने योगीपुर में कुक्स रेस्टूरेंट में जोरदार टक्कर मारी, जिससे रेस्टूरेंट क्षतिग्रस्त हो गया। तभी मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित कार चालक को पकड़ लिया।

पत्रकारनगर थाना प्रभारी ने बताया चालक के मुंह से शराब की गंध आ रही थी। ब्रेथ एनलाइजर से जांच करने पर वह शराब के नशे में पाया गया। जांच में पता चला कि पकड़ा गया चालक बिहटा में पदस्थापित एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर राजीव कुमार उर्फ विश्व राजीव कुमार है। वह मूलरूप से चकदरिया सुलतानपुर नियर गंगाजल हाईस्कूल थाना सोनपुर छपरा का रहनेवाला है। मौजूदा समय में वह अगमकुआं थाना क्षेत्र के भूतनाथ रोड बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी में रहता था।

पत्रकारनगर थाना प्रभारी ने बताया कि पानी टंकी के पास शराब के नशे में पकड़ा गया कोईलवर आरा पीएचसी प्रभारी का बेटा अभिषेक शर्मा साइंस कॉलेज में केमेस्ट्री ऑनर्स तृतीय वर्ष का छात्र है। वह भी शराब के नशे में हंगामा कर रहा था।

नेशनल हेराल्ड ममाले में क्यों डरी है कांग्रेस? केशव मौर्य बोले- गलत नहीं हैं तो ईडी की पूछताछ का सामना करें सोनिया और राहुल

लखनऊ, 12 जून (एजेन्सी)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सवाल खड़े किए हैं कि आखिर नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस डरी हुई क्यों है? नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी बेल पर जेल से बाहर हैं। जांच के सिलसिले में यदि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोटिस दिया है तो यह तो भ्रष्टाचार का मामला हुआ। यदि सोनिया और राहुल ने गलत नहीं किया है तो उन्हें ईडी की पूछताछ से डर नहीं लगना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार कांग्रेस का राष्ट्रीय चरित्र है। ईडी जब सोनिया और राहुल के खेल से पर्दा उठा रही हैं तो मां-बेटे देश की अस्मिता और शांति से खेलने लगे हैं।

रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर पत्रकारों से केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस मामले को राजनीतिक तूल देने का कांग्रेस असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह फॉर्मूला पुराना हो चुका है कि वह भ्रष्टाचार करें और जब एजेंसी पूछताछ के लिए बुलाए तो वह राजनीतिक प्रदर्शन करने लग जाएं। भीड़ जुटाने लगें ताकि उनके भ्रष्टाचार की चर्चा न हो।

केशव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने देश की संपत्ति को लूटा है इसलिए वह केस की मेरिट पर बात न कर इधर-उधर की बातें कर रहे हैं और इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल किया कि यदि वे दोषी नहीं हैं तो ईडी के सामने पेश क्यों नहीं हो रहे?

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने एक ऐसी कंपनी बनाई जिसका मकसद कारोबार नहीं था बल्कि वे इस कंपनी के जरिए एजेएल को खरीदकर उसकी 2000 करोड़ रुपये की सम्पति को अपने नाम पर करना चाहते थे। वर्ष 2011 में इसीलिए कांग्रेस ने यंग इंडिया लिमिटेड बना कर हजारों करोड़ की राष्ट्रीय संपति हड़प ली।

कांग्रेस और उसके नेताओं को पीएम मोदी की यह बात याद होनी चाहिए जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि न खाऊंगा और न ही खाने दूंगा और जो जनता की गाढ़ी कमाई खा गए हैं उनके पेट से निकाल कर लाऊंगा और गरीबों के कल्याण पर खर्च करूंगा। कांग्रेस नेताओं को यह याद होना चाहिए कि देश में मोदी सरकार है और संसाधनों की लूट किसी सूरत में स्वीकार नहीं है। चोरी की है तो सजा भी भुगतनी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री प. जवाहर लाल नेहरू ने 20 नवंबर 1937 को एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) शुरू किया था। यह कंपनी अंग्रेजी में नेशनल हेराल्ड, हिन्दी में नवजीवन और उर्दु में कौमी आवाज समाचार पत्र निकालती थी। इसमें 5000 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शेयर धारक थे, लेकिन 2000 करोड़ से अधिक की संपत्ति की लालच में सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर देश की आजादी में जीवन खपा देने वाले सेनानियों और उनके परिवारों का अपमान किया है।

उन्होंने कहा कि राहुल में हिम्मत है तो वे आरोपों का सामना करें। ईडी के सवालों का जवाब दें और अपना पक्ष रखें। गुमराह करने और झूठ को छिपाने के लिए शक्ति प्रदर्शन से अब काम नहीं चलेगा।

देश का कानून एक है और यह सब पर समान रूप से लागू होता है। यदि आरोप गलत हैं, तो वे बाइज्जत बरी होंगे। आरोप सच्चे हुए तो उन्हें सजा पाने से कोई बचा नहीं पाएगा।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR OSTRICH EVENING

Draw No:180 DrawDate on:11/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 47D 37376

Cons. Prize Rs.1000/- 37376 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

21962 23743 29357 40593 42222 47775 66178 66703 72482 83148

3rd Prize ₹450/-

0120 0429 1272 1390 1738 4212 5850 7875 8095 9100

4th Prize ₹250/-

0333 1402 1560 1572 1777 2631 5858 6500 8055 8137

5th Prize ₹120/-

0064 0328 0368 0455 0479 0547 0574 0585 0708 0816
0885 0965 0995 1041 1114 1154 1380 1599 1673 1834
1845 1920 2104 2106 2112 2115 2331 2509 2550 2691
2735 2980 3074 3157 3531 3601 3614 3863 4293 4360
4389 4401 4421 4456 4538 4553 4555 4567 4683 4735
4933 5030 5096 5256 5294 5308 5420 5470 5472 5530
5655 5722 5763 5846 5859 5974 6030 6053 6151 6318
6399 6439 6656 6728 6762 6870 7078 7516 7639 7668
7720 7846 7956 8024 8052 8265 8338 8340 8372 8523
8817 9056 9092 9194 9455 9540 9623 9638 9639 9675

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MARS SATURDAY

Draw No:80 DrawDate on:11/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 95D 02416

Cons. Prize Rs.1000/- 02416 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

20419 22422 23645 34522 50451 54660 62555 81989 98018 99610

3rd Prize ₹450/-

0075 1298 1504 2203 2840 4951 5315 6620 6627 7697

4th Prize ₹250/-

3763 4021 4755 5334 5556 6998 7159 7523 8965 9943

5th Prize ₹120/-

0104 0340 0381 0655 0910 0930 1178 1186 1220 1223
1270 1282 1389 1403 1498 1682 1864 1874 2027 2034
2140 2173 2229 2246 2370 2434 2550 2617 2627 2736
2739 2766 2918 3203 3338 3389 3452 3456 3502 3512
3615 3788 3846 3873 4105 4192 4215 4362 4413 4539
4540 4541 4676 4679 4856 4877 4884 4900 5116 5120
5229 5243 5425 5497 5641 5705 5771 5799 5905 5953
6043 6206 6255 6476 7077 7210 7234 7438 7566 7801
7887 7939 8043 8081 8108 8157 8554 8650 8671 8683
8802 8876 9009 9044 9244 9375 9737 9761 9810 9989

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR KOSAI MORNING

Draw No:80 DrawDate on:11/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 40E 79857

Cons. Prize Rs.1000/- 79857 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

19539 32228 51755 54704 66799 89533 90580 93915 96217 98955

3rd Prize ₹450/-

0057 0438 1691 1836 2245 2578 6790 8986 9116 9657

4th Prize ₹250/-

0910 2074 3230 3581 5411 5984 7221 8440 9360 9740

5th Prize ₹120/-

0191 0238 0436 0534 0551 0571 0710 0799 0862 0936
0990 1013 1026 1027 1116 1498 1676 1710 1777 2031
2070 2156 2284 2392 2566 2616 2663 2736 2778 2859
3048 3090 3104 3172 3304 3498 3594 3686 3816 3845
3996 4047 4242 4362 4382 4465 4764 4807 4896 4919
4957 5145 5209 5236 5421 5576 5643 5658 5717 5888
6071 6216 6345 6360 6371 6487 6646 6807 7163 7315
7416 7484 7532 7629 7673 7744 7830 7934 7992 8085
8203 8207 8305 8308 8457 8514 8563 8672 8802 8863
9051 9279 9399 9640 9645 9661 9669 9710 9855 9916

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR JUPITER SUNDAY

Draw No:80 DrawDate on:12/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 98L 15466

Cons. Prize Rs.1000/- 15466 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02612 11412 27852 31021 37392 39751 39779 50967 51810 53851

3rd Prize ₹450/-

2313 2629 4209 4770 5752 5832 5873 6497 6872 7132

4th Prize ₹250/-

7156 7875 8675 8723 9009 9017 9220 9257 9354 9503

5th Prize ₹120/-

0387 0441 0490 0506 0608 0612 0842 0940 0975 1175
1278 1289 1323 1360 1406 1422 1441 1529 1706 1787
1909 1918 2059 2373 2423 2431 2553 2579 2684 2800
3169 3186 3249 3433 3518 3628 3714 3797 3915 4028
4071 4500 4656 4686 4826 4870 4951 5160 5191 5389
5432 5453 5585 5678 5744 5777 6164 6195 6220 6266
6304 6305 6645 6796 7074 7113 7165 7195 7196 7329
7547 7624 7651 7786 7930 8189 8202 8287 8338 8362
8374 8404 8515 8524 8678 8700 9018 9097 9120 9142
9229 9343 9474 9500 9544 9688 9771 9782 9879 9932

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR HAWK EVENING

Draw No:180 DrawDate on:12/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 90B 71472

Cons. Prize Rs.1000/- 71472 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02321 06151 16011 17125 17554 38517 47013 48890 55109 89252

3rd Prize ₹450/-

1730 2323 2440 4627 4673 5374 6666 7821 8882 9601

4th Prize ₹250/-

1260 1997 4774 5088 5471 5747 5915 6703 7292 8654

5th Prize ₹120/-

0011 0139 0202 0374 0427 0512 0746 0783 0881 0993
1096 1174 1288 1505 1690 1830 1840 1875 2080 2428
2608 2794 2799 3001 3289 3377 3696 3751 3752 3759
3772 3815 4060 4074 4165 4212 4221 4452 4478 4588
4895 4902 4907 4933 4942 5032 5100 5136 5434 5524
5554 5609 5654 5771 5778 5871 5940 5950 6003 6129
6178 6290 6394 6561 6582 6665 6672 6692 6763 6869
7000 7088 7093 7115 7150 7366 7382 7521 7683 7699
7722 7881 7915 8133 8208 8851 8939 8967 9015 9115
9199 9255 9363 9371 9660 9745 9788 9801 9804 9848

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR DAMODAR MORNING

Draw No:80 DrawDate on:12/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 92A 25547

Cons. Prize Rs.1000/- 25547 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01044 09974 15635 39094 42305 45471 63097 68299 70167 76954

3rd Prize ₹450/-

2345 2863 2902 4227 4391 5295 5799 6437 7155 8135

4th Prize ₹250/-

0194 1711 1932 2633 3403 3727 4423 5817 7844 7882

5th Prize ₹120/-

0002 0204 0226 0390 0466 0585 0730 0779 0800 0972
1266 1336 1371 1460 1817 1845 1846 2017 2049 2067
2304 2360 2367 2519 2672 2806 2809 2923 3032 3364
3371 3465 3530 3613 3622 3648 4071 4196 4699 4738
4951 5000 5147 5316 5379 5435 5530 5687 5716 5786
5800 5846 5902 5953 6135 6217 6295 6386 6514 6655
6691 6932 6956 6977 6994 7048 7257 7258 7304 7361
7387 7388 7421 7450 7499 7507 7569 7825 7895 8120
8202 8324 8477 8650 8703 8898 9013 9046 9128 9258
9322 9336 9357 9359 9409 9540 9632 9706 9795 9869

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

शासन को खुली चुनौती

शुक्रवार को देश के तमाम शहरों में हिंसा का जैसा नंगा नाच देखने को मिला, वह कानून के शासन को दी जानी वाली खुली चुनौती के अलावा और कुछ नहीं। जिन तत्वों ने अपनी भावनाएं आहत होने की आड़ में सड़कों पर उतरकर पथराव, आगजनी और तोड़फोड़ के जरिये देश में दहशत पैदा की, उनका दुस्साहस कितना बढ़ा हुआ है, इसका पता कुछ शहरों और खासकर बंगाल के कई स्थानों पर दूसरे दिन भी हिंसक घटनाओं को अंजाम दिए जाने से पता चलता है। नि:संदेह कानून एवं व्यवस्था राज्यों का विषय है, लेकिन बीते दो दिन की घटनाओं ने आंतरिक सुरक्षा के समक्ष गंभीर किस्म के नए खतरे पैदा करने के साथ जिस तरह देश की छवि को भी प्रभावित किया है, उसे देखते हुए केंद्र सरकार को भी सजगता और सख्ती का परिचय देना होगा।

इसमें संदेह नहीं कि बीते दो दिनों की घटनाएं और उसके पहले कानपुर में जो कुछ हुआ, उससे यही पता चलता है कि हिंसा के इस खौफनाक दौर के पीछे कोई सुनियोजित षड्यंत्र है, लेकिन बात तब बनेगी जब इसके लिए जिम्मेदार तत्वों को एक तय अवधि में कठोर दंड का भागीदार बनाया जाएगा। इसके लिए आवश्यक हो तो केंद्र को उन राज्यों को कठोर संदेश देना चाहिए, जो उपद्रवियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के बजाय राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हुए हैं। इस सस्ती राजनीति से कुल मिलाकर अराजक तत्वों का मनोबल ही बढ़ रहा है।

आखिर अन्य राज्य सरकारें अराजक तत्वों के खिलाफ वैसी ही सख्ती का परिचय क्यों नहीं दे पा रही हैं, जैसी उत्तर प्रदेश सरकार दे रही है? अपनी हरकतों से सामाजिक सद्भाव को छिन्न-भिन्न करने वाले हिंसक तत्वों के प्रति नरमी बरतना एक प्रकार से कानून एवं व्यवस्था को जानबूझकर खतरे में डालने वाला कृत्य है। शुक्रवार को देश के विभिन्न हिस्सों में जो कुछ हुआ, वह कहीं न कहीं उस अराजकता की अनदेखी का भी नतीजा है, जो पहले नागरिकता संशोधन कानून और फिर कृषि कानूनों के विरोध के नाम पर की गई। यह खेद की बात है कि उस अराजकता के सामने शासन-प्रशासन के साथ-साथ न्यायपालिका ने भी ढुलमुल रवैया अपनाया। इसी कारण जहां लाखों लोगों की नाक में दम करने वाला शाहीन बाग का कुख्यात धरना करीब तीन महीने तक जारी रहा, वहीं किसान हित के बहाने लगभग एक साल तक सड़कों पर कब्जा करके रखा गया। यदि यह सब नहीं होने दिया गया होता तो शायद गत दिनों जो कुछ देखने को मिला, वह नहीं मिलता। किसी मामले में पुलिस-प्रशासन या फिर सरकार की कार्रवाई से असहमत होना अलग बात है और असहमति दर्ज करने के बहाने उत्पात मचाना-आतंक पैदा करना अलग बात।

कानून नहीं, जागरुकता से ही दूर होगा बालश्रम का कलंक

स्वाती सिंह

अभी कुछ दिन पहले स्वाती फांउडेशन के एक जागरूकता कार्यक्रम में प्रयागराज गयी थी। वहां से लौटते वक्त कुंडा (प्रतापगढ़) के पास सड़क किनारे एक बच्चे पर नजर पड़ी। उसके हाथ में जूता पालिस व ब्रश था। बरबस ही हमें गाड़ी रोकवानी पड़ी। मेरा ममत्व कांपने लगा। मैं, उसकी ओर खिंचती चली गयी। आखिर बचपन जो बर्बाद होता दिख रहा था। ऐसे में दिल का धड़कना, भारत के भविष्य की सोच किसी भी जागरूक के दिल को ठेस पहुंचा सकता है। वैसा ही मेरे साथ भी हुआ। मैं बच्चे से पूछी, तुम्हारे पिता जी क्या करते हैं, उसका जवाब था। वे पंचर की दुकान खोले हुए हैं। उसी में टायर-ट्यूब व साइकिल के सामान भी बेचते हैं। मैं, बिना अपना परिचय बताए, ड्राइवर को बोली जरा बच्चे के पिता के पास चलो। पिता के पास जाने पर पता चला कि उनकी आमदनी 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक हो जाती है। इसके बावजूद वे बच्चे को स्कूल नहीं भेजते। औपचारिकता के तौर पर स्कूल में प्रवेश करा दिया है, लेकिन वह बच्चा पढ़ाई से ज्यादा समय जूता पालिश करने में लगाता है। मैं पूछी, भइया आप बच्चे को शिक्षा क्यों नहीं देते। उनका जवाब था, बहन शुरू से ही काम की आदत बनी रहेगी तो वह कभी भूखा नहीं रह सकता। पढ़ाई से क्या होगा। पढाई तो सिर्फ इसलिए कराता हूं कि शादी-ब्याह में लोग पूछते हैं, बच्चा, पढ़ाई किया है या नहीं। यह देख मैं आश्चर्य में पड़ गयी और पढ़ाई के तमाम फायदे बताकर लखनऊ आ गयी। उसके बाद वह हर दिन स्कूल भेजने व बच्चे को उच्च शिक्षा देने को राजी हो गया।

यह हकीकत सिर्फ मैं नहीं देखी या पहली बार नहीं देखने को मिला। इस तरह की स्थितियां आम तौर पर देखने को मिल जाती हैं। लोग शिक्षा को सिर्फ औपचारिकता मानते हैं। बच्चों का बालपन जाने-अनजाने में खत्म कर देते हैं। कानून की भी एक सीमा है। वह वहीं मसोस कर अपने दायरे में सिमट कर रह जाती है। यह हकीकत बताने का मतलब है कि हम तमाम योजनाएं लाकर, कानून बदलकर बालश्रम को दूर करने में सफल नहीं हो सकते, जब तक हम संस्कृति में बदलाव लाने, लोगों की सोच बदलने का प्रयास नहीं करेंगे। याद करिए, जब दूरदर्शी सोच रखने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद झाड़ू उठाकर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की तो कुछ लोग आश्चर्य भरी निगाह से देख रहे थे, तो कुछ विरोधियों का उनके अभियान में सहज लोकप्रियता का तरीका दिख रहा था। धीरे-धीरे ही सही आज हर व्यक्ति दुकान या रेहणी पर कुछ भी खाने के बाद दोना फेंकने के लिए डस्टबिन की तलाश करता है। सड़क पर गंदगी फेंकने से बचता है। इसके लिए किसी एक व्यक्ति से कहा नहीं गया, सिर्फ जागरूक किया गया। प्रधानमंत्री ने कार्य संस्कृति बदलने की कोशिश की। लोगों को उनके कर्तव्य की याद दिलाई और आज उसकी सफलता सबके सामने है।

वही स्थिति प्रदेश में कार्य संस्कृति को बदलने, धर्म रक्षा के लिए आगे बढ़कर चलने वाली संत परंपरा के महान संत योगी आदित्यनाथ ने स्कूल चलो अभियान को एक उत्सव के रूप में पूरे प्रदेश में मनाने की परंपरा की शुरूआत की। यह कार्य संस्कृति बदलने में मिल के पत्थर साबित हो रही है। समाज में इससे शनै-शनै ही सही लोगों की मानसिकता में बदलाव हो रहा है। इससे बालश्रम के उन्मुलन में भी सहायता मिल रही है और घरेलू कार्य संस्कृति में बदलाव के साथ ही अभिभावक बच्चों को उच्च शिक्षा देने के लिए जागरूक हो रहे हैं। आगे और जागरूकता बढ़ेगी।

यदि बालश्रमिकों की स्थिति देखें तो सबसे अधिक बालश्रमिक अफ्रीका में 7.21 करोड़ हैं। वहीं भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में पांच से 14 साल तक के 25.96 करोड़ बच्चों में से 1.01 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक थे और करीब 43 लाख बच्चे बाल मजदूरी करते हुए पाये गये थे। यूनिसेफ के अनुसार यह आंकड़ा दुनिया के बाल मजदूरों का 12 प्रतिशत है। सबसे आश्चर्य की बात है कि अमेरिका जैसे विकसित राष्ट्र में भी एक करोड़ बच्चे मजदूरी करते हैं। इससे यह प्रमाणित होता है कि बाल श्रम कानून का डर दिखाकर दूर नहीं किया जा सकता या उच्च लेबल से कम नहीं हो सकता। इसके लिए जागरूकता लाने की आवश्यकता है। जैसे कि दहेज प्रथा को दूर करने के लिए तमाम कानून बने हैं, लेकिन आज भी वह चल रहा है। कानून उसे रोक नहीं सका।

वैसे ही बालश्रम को रोकने के लिए हमारे संविधान में चार अनुच्छेद में प्राविधान किये गये हैं। अनुच्छेद 15 (3) के तहत बच्चों के लिए अलग से कानून बनाने का अधिकार है। वहीं अनुच्छेद 21 में 6 से 14 साल के बच्चों के लिए निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का प्राविधान किया गया है, वहीं अनुच्छेद 23 बच्चों के खरीद-बिक्री पर रोक लगाती है। वहीं अनुच्छेद-24 14 साल के बच्चों को जोखिम भरे काम करने पर प्रतिबंध लगाती है।

इस तरह के तमाम धारा व अनुच्छेद के बावजूद बालश्रम को रोका नहीं जा सका। इसका कारण है कि पूर्व की सरकारों में कर्तव्यबोध नहीं रहा। सिर्फ कानून बनाकर अपनी औपचारिकता पूरी करते रहे। उनमें कभी देश की तरक्की का ख्याल नहीं आया। वे सिर्फ राज करने के लिए तत्कालिक लुभावने काम करते रहे। लंबे समय की योजना, देशहित में मानसिकता बदलने की सोच कभी उनमें देखने को मिली ही नहीं। यह तो पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समझा कि लोगों को उनके कर्तव्य का बोध कराओ।

भारत का हर व्यक्ति हर तरह का काम करने में सक्षम है। विशेषकर बच्चों के प्रति किस मां-बाप का मोह नहीं होगा। कौन मां-बाप नहीं चाहेगा कि हमारा बच्चा उच्च पदों तक जाए। आगे बढ़ते भारत में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उसका बालपन उससे दूर न हो जाए और वह अपनी जिंदगी अपने अनुसार जीते हुए समाज कल्याण के लिए काम करे। इस सोच को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगे बढ़ रहे हैं। देश के हर नागरिक को उसका कर्तव्यबोध करा रहे हैं। अभी तक बहुत कुछ हासिल हो चुका है। जो शेष बचा है, उसमें आगे सफलता निश्चित है। इस बात को जनता भी समझ रही है। विरोधियों की तड़फड़ाहट इसी बात को लेकर है कि जनता समझ चुकी है। अब उसे छला नहीं जा सकता। वे क्षणिक लोभ में नहीं आने वाले। आमजन अब अपने उज्ज्वल भविष्य को देख रहे हैं।

शैतानों के पैरोकार कौन?

आचार्य पवन त्रिपाठी

जो लोग सात मार्च, 2006 से पहले काशी के संकटमोचन हनुमान मंदिर गए हैं, उन्हें याद होगी संकटमोचन की शामें। जगह-जगह बैठे परिवारों के झुंड। अपने बच्चों या परिजनों के जन्मदिन मनाते लोग।

या हनुमान जी के आशीर्वाद की छतछाया में शादी-विवाह जैसे आयोजन संपन्न करते लोग। संकटमोचन मंदिर परिसर की हर शाम चहल-पहल भरी होती थी, लेकिन यह तो मंगलवार का दिन था।

उत्तर भारत में मंगलवार को भगवान बजरंगबली का विशेष दिन माना जाता है। इस दिन तो लोग खासतौर पर सुबह से लेकर देर रात तक जब भी मौका मिलता है, बजरंगबली के दरबार में जाकर उनके दर्शन करते हैं, प्रसाद चढ़ाते हैं, आशीर्वाद लेते हैं। यानी बहुत भीड़ होती है हनुमान मंदिरों में। फिर काशी का संकटमोचन मंदिर का तो कहना ही क्या? यहां तो मंगलवार को लोग काशी से ही नहीं, देश के कोने-कोने से हनुमान जी से अपने संकट दूर करने की प्रार्थना लेकर आते हैं। हनुमान भक्तों की इसी भीड़ को निशाना बनाने के उद्देश्य से सात मार्च, 2006 की शाम 6.15 बजे शैतानों ने संत तुलसीदास द्वारा स्थापित इस मंदिर में विस्फोट करने की साजिश रची, जिसमें सात लोग मारे गए और 26 लोग घायल हुए। निशाना सिर्फ संकटमोचन मंदिर को ही नहीं बनाया गया। 15 मिनट बाद ही दशामेघ घाट थाना क्षेत्र में भी एक कुकर बम पाया गया। यदि इसमें विस्फोट हो जाता तो दो सौ मीटर तक चारों ओर तबाही मच सकती थी, लेकिन पुलिस एवं स्थानीय लोगों की सतर्कता से यह तबाही रोक ली गई थी, लेकिन वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर यह तबाही नहीं रोकी जा सकी।

शाम 6.35 बजे वहां प्रथम श्रेणी विश्राम कक्ष के सामने हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए। यानी 20 मिनट के अंदर धर्मनगरी काशी में हुए दो शक्तिशाली धमाकों से पूरा वाराणसी शहर दहल उठा था, और पूरा देश सिहर गया था। इस घटना के करीब 16 साल बाद इस मामले में सजा सुनाते हुए गाजियाबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि इन विस्फोटों को अंजाम देनेवाले वलीउल्लाह का अपराध विरस से विरलतम श्रेणी का है। न्याय व्यवस्था पर भरोसा कायम रखने के लिए फांसी की सजा जरूरी है। वारदात का समय होली का था, जिस समय काफी भीड़ रहती है।

घटनास्थल संकटमोचन मंदिर था, जिसमें प्रतिदिन काफी भीड़ रहती है। शादी-विवाह का भी समय था। इस तरह के विस्फोट का तरीका कहीं से भी अभियुक्त के प्रति हल्की परिस्थिति पैदा नहीं करता। इन परिस्थितियों में अभियुक्त किसी भी तरह से राहत के योग्य नहीं है। इसलिए वलीउल्लाह को तब तक फांसी पर लटकाया जाए, जब तक उसकी मृत्यु न हो जाए। धन्य हैं इस प्रकार का फैसला देनेवाले जज जितेंद्र कुमार सिन्हा, और धन्य है हमारी न्यायपालिका, जो वलीउल्लाह से लेकर अजमल कसाब, याकूब मेमन और अफजल गुरु जैसे न जाने कितने शैतानों को उनके किए की उचित सजा सुना चुकी है, लेकिन क्या यह जिम्मेदारी सिर्फ जजों और न्यायपालिका की ही है? हमारे समाज की बिल्कुल नहीं है, जो ऐसे लोगों को चुनकर विधानसभाओं और लोक सभा में भेजता है, जो इन शैतानों के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं!

वलीउल्लाह का ही मामला लें। 2012 में सत्तारूढ़ होते ही उत्तर प्रदेश की तत्कालीन अखिलेश सरकार ने वलीउल्लाह को बचाने की कोशिशें शुरू कर दी थीं। जैसे उत्तर प्रदेश की जनता ने उन्हें भारी बहुमत से चुनकर इसीलिए भेजा हो! अखिलेश सरकार ने सत्ता में आते ही 2006 के वाराणसी विस्फोटों के संबंध में वाराणसी जिला प्रशासन को चिट्ठी लिखकर 13 बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। अखिलेश सरकार का इरादा इन जानकारियों के आधार पर इन विस्फोटों के आरोपी आतंकियों को राहत पहुंचाने का था, लेकिन सरकार के इस कुत्सित इरादे की भनक लगते ही वाराणसी के नित्यानंद चौबे एवं राकेश श्रीवास्तव ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जनिहत याचिका दायर कर दी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति आर.के.अग्रवाल एवं न्यायमूर्ति आर.एस.मौर्य की पीठ ने काफी सख्त टिप्पणी करते हुए सरकार के चेहरे से नकाब उतार दिया था। पीठ ने सरकार से सवाल किया कि जब कोर्ट में मुकदमा चल रहा है, तो सरकार इसे वापस क्यों लेना चाहती है?

न्यायमूर्तिद्वय ने सरकार को फटकारते हुए कहा कि आज आप आतंकियों को रिहा कर रहे हैं, कल आप उन्हें पद्मभूषण भी दे सकते हैं। न्यायमूर्तिद्वय की इस सख्त टिप्पणी के बाद ही सरकार इस मामले में चुप बैठी। आज वलीउल्लाह को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को अपनी गलती का अहसास न हो, लेकिन उन्हें चुनकर भेजने वाली जनता को तो अपनी गलती का अहसास तो होना ही चाहिए। क्योंकि वाराणसी विस्फोटों में मारे गए 18 लोग और घायल हुए 76 लोग तो उन्हीं के बीच के हैं ना, लेकिन हम भारत के लोग बड़े भुलक्कड़ हैं। भुलक्कड़ न होते तो 12 मार्च, 1993 को मुंबई में हुए सिलसिलेवार विस्फोटकांड में वर्षों बाद फांसी के तख्ते तक पहुंच सके एकमात्र दोषी याकूब मेमन की शवयात्रा में मुंबई के मरीन लाइन्स पर हजारों लोगों की भीड़ जमा न होती।

इस विस्फोटकांड में भी 257 लोग मारे गए थे और 713 घायल हुए थे। भुलक्कड़ न होते तो हमारे-आपके बच्चे दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हमारी संसद भवन के परिसर में घुसकर विस्फोट कराने की साजिश रचने वाले अफजल गुरु के लिए, अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं जैसे नारे न लगाते। और हम भारतवासी भुलक्कड़ न होते तो आज भी शहर-शहर, जगह-जगह मुट्ठी भर उपद्रवी जुमे की नमाज के बाद सड़क पर उतरकर निजी और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने एवं खुलेआम उत्पात मचाने की हिम्मत न जुटा पाते। हमें अपनी भुलक्कड़पन की आदत को तिलांजलि देकर गंभीरतापूर्वक सोचना होगा कि इन शैतानों और उत्पातियों के पैरोकार कौन हैं?

बांध विरोधी आंदोलन

नंदिनी ओझा

बांध-विरोध के लंबे इतिहास में संभवत: दुनिया का पहला बांध-विरोधी आंदोलन, पुणे शहर के पास मुला-मुठा नदी के संगम पर स्थित मुलशी बांध के खिलाफ था। वर्ष 1920 के दशक की शुरुआत के इस मुलशी सत्याग्रह का नेतृत्व स्वतंत्रता सेनानी पांडुरंग महादेव (सेनापति) बापट और पत्रकार विनायकराव भुस्कुटे ने किया था। बांध से प्रभावित 52 गांवों में फैले इस आंदोलन की जानकारी महात्मा गांधी के सहयोगी महादेवभाई देसाई की डायरी में भी मिलती है। वर्ष 1923 में पुणे के यरवडा जेल में महादेवभाई देसाई और महात्मा गांधी के साथ आंदोलन में शामिल विस्थापितों को भी रखा गया था।

मुलशी बांध पीड़ितों के संघर्ष को आज सौ साल से ज्यादा हो गए हैं। मुलशी सत्याग्रह की कहानी बताने वाली, इसी नाम की पुस्तक आंदोलन के प्रवर्तक विनायक भुस्कुटे ने लगभग 80 वर्ष पहले लिखी थी। आमतौर पर आज की पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी के लंबे संघर्षों की जानकारी नहीं होती। यह जानकारी प्राप्त करना और संघर्ष के विरोधियों की ताकत और उसे असफल बनाने में उनकी भूमिका को समझना जरूरी है। इतिहास, भविष्य का मार्गदर्शक है और इसीलिए यह पुस्तक आज भी चल रहे संघर्ष के लिए मार्गदर्शक साबित होती है।

मुलशी सत्याग्रह का पुन: प्रकाशन करके मुलशी बांध प्रभावित क्षेत्र के घर-घर पहुंचाने का सराहनीय काम सह्याद्री प्रतिष्ठान के अध्यक्ष अनिल पवार और उनके साथियों का है। आज भी संघर्षरत लोगों को, विशेषत: युवाओं को, इस पुस्तक से प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलेगा जो आंदोलन को ही मजबूत करेगा।

पुस्तक की प्रस्तावना लिखते समय भुस्कुटे जी ने दो-तीन जगह सत्याग्रह का उल्लेख 'हारी हुई लड़ाई' की तरह किया है। उनकी समझ के मुताबिक यह लड़ाई समाप्त हो चुकी थी। किसी भी आंदोलन की जीत या हार को उस आंदोलन के खत्म होने पर ही समझा जा सकता है। भले ही भुस्कुटे जी ने आंदोलन को 'हारी हुई लड़ाई' कहा हो, फिर भी यह बात पक्की है कि उन्होंने इसे पूर्ण-विराम समझकर नहीं, बल्कि अल्प-विराम समझकर देखा था।

यह पुस्तक स्वतंत्रता आंदोलन के कुछ बुनियादी पहलुओं पर भी प्रकाश डालती है। वर्ष 1921 में, जब गांधीवादी विचारों की शुरुआत ही हुई थी, लेकिन सत्य और अहिंसा का उपयोग बड़े पैमाने पर आंदोलन में नहीं हुआ था, तत्कालीन मुंबई प्रांत के अति-दुर्गम क्षेत्र के आंदोलनकारियों ने श्री भुस्कुटे के नेतृत्व में अहिंसक रास्ते से सत्याग्रह किया था। इसका विवरण पुस्तक में विस्तार से दिया गया है।

इस पुस्तक से हमें मालूम होता है कि मुलशी सत्याग्रह के सफल संघर्ष के परिणामस्वरूप टाटा कंपनी ने अपना काम पूरी तरह से रोक दिया था, लेकिन तत्कालीन राष्ट्रीय और प्रांतीय सभा के नेतृत्व से आंदोलन को अपेक्षित साथ नहीं मिल सका था। शायद उनकी नजरों में यह आंदोलन बहुत महत्वपूर्ण नहीं था। इस दौर में राष्ट्रीय और प्रांतीय सभा को ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ संघर्ष करना ज्यादा जरूरी लगा था, बजाय टाटा कंपनी समेत साहूकारों, जमींदारों और उच्चवर्णीय लोगों के विरोध के।

वर्ष 1988 से लगभग 12-13 साल हम दोनों 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' के कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहे थे। नर्मदा नदी पर बन रहे विशाल सरदार सरोवर बांध से प्रभावित लोगों का यह एक बड़ा आंदोलन था, जिसे देश भर से जबर्दस्त समर्थन प्राप्त था। इस संघर्ष से जुड़े लोगों, खासतौर से कार्यकर्ताओं के लिए मुलशी सत्याग्रह एक बड़ा प्रेरणा-स्रोत था। बीसवीं सदी की शुरुआत में अंग्रेज सरकार और निजी कंपनी के खिलाफ प्रभावशाली तरीके से खड़े हुए इस 100 साल पुराने आंदोलन से नर्मदा क्षेत्र के लोगों को भरोसा मिल सकता था कि वे भी अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ सकते हैं। इसके बावजूद मुलशी सत्याग्रह की जानकारी नहीं मिल पाई। बाद में जब हम निजी कारणों से नर्मदा बचाओ आंदोलन की जिम्मेदारी छोड़कर, संयोग से मुलशी तहसील में, मुलशी बांध के पड़ोसी गांव में बसे, तो धीरे-धीरे वहां के संघर्ष के संपर्क में भी आए। यहां के लोगों से और राजेंद्र व्होरा की पुस्तक से मुलशी सत्याग्रह की विस्तृत जानकारी मिली, लेकिन भुस्कुटे जी की पुस्तक मिलने के बाद ही इस सत्याग्रह का सही अर्थ में परिचय हुआ। तब समझ में आया कि नर्मदा घाटी की लड़ाई और मुलशी बांध पीड़ितों की लड़ाई में कितना साम्य है। आंदोलन की पद्धति, दांव-पेच, संगठन बनाने की प्रक्रिया और संगठन तोड़ने के विरोधियों के प्रयास, सरकार की प्रतिक्रिया, पुलिस-बल का इस्तेमाल इत्यादि बातों का जो अनुभव हम नर्मदा क्षेत्र में ले चुके थे, वे सभी बातें मुलशी सत्याग्रह में साफ दिखाई दीं। मुलशी सत्याग्रह हो या नर्मदा बचाओ आंदोलन या दूसरा कोई भी आंदोलन, सभी आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था के शिकार हैं और इसलिए इन आंदोलनों के सामने की चुनौतियां एक समान ही होंगी। ज्यादातर संघर्षों (खासकर विस्थापन विरोधी संघर्षों) में जब तक विस्थापितों के हित संकट में हैं, तब तक वे आंदोलन में सक्रिय रहते हैं। भुस्कुटे जी की यह पुस्तक पहले जितनी महत्वपूर्ण थी, आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

वट सावित्री पूर्णिमा पर कौन-सा मंत्र बोलें, पढ़ें पूजा विधि, मुहूर्त और कथा

स्कन्द व भविष्य पुराण के अनुसार वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को किया जाता है, लेकिन निर्णयामृतादि के अनुसार यह व्रत ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को भी किया जाता है। भारत में अमानता व पूर्णिमानता ये दो मुख्य कैलेंडर प्रचलित हैं। पूर्णिमानता कैलेंडर के अनुसार वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ माह की अमावस्या को मनाया जाता है जबकि अमानता कैलेंडर के अनुसार इसे ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को मनाते हैं, जिसे वट पूर्णिमा व्रत भी कहते हैं। 14 जून 2022 मंगलवार को यह व्रत रखा जाएगा। आओ जानते हैं वट सावित्री पूर्णिमा की पूजा विधि, मुहूर्त, मंत्र और कथा।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत का मंत्र

मंत्र : ओम नमो ब्रह्मणा सह सावित्री इहागच्छ इह तिष्ठ सुप्रतिष्ठिता भव।

निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें

मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।

निम्न श्लोक से सावित्री को अरघ्य दें

अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।
पुत्रान पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणारघ्यं नमोस्तुते।।

निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें

यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले।
तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत पूजा का मुहूर्त

पूर्णिमा तिथि : पूर्णिमा तिथि शाम 05:21 तक उसके बाद प्रतिपदा।
अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:31 से 12:26 तक।
अमृत काल मुहूर्त : सुबह 10:47 से दोपहर 12:12 तक।
विजय मुहूर्त : दोपहर 02:15 से 03:10 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम 06:36 से 07:00 तक।
सायाह्न संध्या मुहूर्त : शाम 06:49 से 07:51 तक।

वट सावित्री पूर्णिमा व्रत की पूजा विधि

- वट सावित्री पूर्णिमा के दिन सर्वप्रथम सुहागन महिलाएं सुबह उठकर अपने नित्य क्रम से निवृत हो स्नान करके शुद्ध हो जाएं।
- फिर नए वस्त्र पहनकर सोलह श्रृंगार कर लें।
- इसके बाद पूजन के सभी सामग्री को डलिया या थाली में सजा लें।
- वट वृक्ष के नीचे जाकर वहां पर सफाई कर सभी सामग्री रख लें।
- सबसे पहले सत्यवान एवं सावित्री की मूर्ति स्थापित करें। अब धूप, दीप, रोली, सिंदूर से पूजन करें।
- लाल कपड़ा सत्यवान-सावित्री को अर्पित करें तथा फल समर्पित करें।
- फिर बांस के पंखे से सत्यवान-सावित्री को हवा करें।
- बरगद के पत्ते को अपने बालों में लगाएं।
- अब धागे को बरगद के पेड़ में बांधकर यथा शक्ति 5, 11, 21, 51 या 108 बार परिक्रमा करें।
- इसके बाद सावित्री-सत्यवान की कथा पंडित जी से सुनें या कथा स्वयं पढ़ें।
- इसके बाद घर में आकर उसी पंखे से अपने पति को हवा करें तथा उनका आशीर्वाद लें।
- उसके बाद शाम के वक्त एक बार मीठा भोजन करें और अपने पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना करें।

तुलसी में जल इस दिन दिया तो नाराज हो जाएंगी मां लक्ष्मी

तुलसी के पौधे को साक्षात मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। तुलसी कथा के अनुसार पहले यह वृंदा नाम की एक पवित्र महिला थी। श्रीहरि विष्णु की कृपा से जिसने पौधे का रूप ले लिया था। तुलसी के विभिन्न प्रकार के पौधे मिलते हैं- जैसे श्रीकृष्ण तुलसी, लक्ष्मी तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, नील तुलसी, श्वेत तुलसी, रक्त तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी आदि। आओ जानते हैं कि तुलसी के पौधे को जल देने के क्या नियम है।

- तुलसी की जड़ों में रविवार और एकादशी को छोड़कर प्रतिदिन उचित मात्रा में जल अर्पण करना चाहिए। अर्थात ना कम और ना ज्यादा।
- यदि ज्यादा मात्रा में जल अर्पण किया तो पौधा समाप्त हो जाएगा और कम मात्रा में भी। कम फिर भी चल जाएगा परंतु ज्यादा नहीं। वैसे यदि एक दिन छोड़कर भी आप पानी अर्पण करेंगे तो चलेगा। बारिश में तो सप्ताह में दो बार ही डालें।
- रविवार और एकादशी के दिन तुलसी महारानी ठाकुरजी के लिए व्रत रखती है। वह केवल इन्हीं दो दिनों विश्राम करती और निंद्रा लेती हैं। मान्यता है कि यदि रविवार और एकादशी के दिन तुलसी में जल दिया तो माता लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।

जम्मू के डोडा स्थित वासुकी नाग मंदिर का रहस्य

वासुकि नाग मंदिर (डोडा जम्मू) भद्रेवाह का सबसे पुराना मंदिर है जो 11वीं सदी में बना था। मंदिर में वासुकि भगवान की मूर्ति लगी हुई है जो एक बड़े से पत्थर से बनाई गई है। भद्रवाह के इस मंदिर को भद्रकाशी के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला का एक अद्भुत नमूना है, जहां एक पत्थर पर दो प्रतिमाएँ (वासुकी और राजा जामुन वाहन) तराशी हुई हैं। इससे थोड़ी ही दूर पर कैलाश कुंड स्थित है, जिसे वासुकी कुंड के नाम से भी जानते हैं।

जनश्रुति के अनुसार कहा जाता है कि 1629 में बसोहली के राजा भूपत पाल ने भद्रवाह पर अपना अधिकार जमा लिया था। परंतु कैलाश कुंड पार करते समय वे एक नागपाश में फंस गए। भयभीत राजा ने विशाल नाग से क्षमा याचना की तब नाग ने राजा के कान के छल्ले से यहां एक मंदिर बनवाने को कहा। यहां स्थित कुंड को 'वासक छल्ला' भी कहते हैं, क्योंकि मंदिर निर्माण में देरी के कारण आक्रोशित नागराज ने पानी पी रहे राजा को छल्ला झरने से वापस कर दिया था। हालांकि, राजा ने शीघ्र ही मंदिर निर्माण कराक छल्ला वापस समर्पित किया। कथा है कि रास्ते में मूर्तियां जहां रखी गईं और वहां से उठी ही नहीं। कैलाश कुंड या कपलाश जिसे वासुकी कुंड के नाम से भी जाना जाता है, नागराज वासुकी का निवास स्थान है और समुद्र तल से 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। दूर-दूर से हजारों भक्त मंदिर के दर्शन करने और भगवान वासुकी को प्रणाम करने आते हैं।

मंदिर में वासुकी नाग और राजा जमुते वाहन की एक ही काले पत्थर की मूर्ति है। कहते हैं कि वासुकी नाग की एक सुंदर मूर्ति शानू समुदाय के पूर्वजों द्वारा बनाई गई थी। वासुकी नाग मंदिर में दाईं ओर भगवान वासुकी नाग और बाईं ओर राजा जमुते वाहन की मूर्तियां हैं, जो रहस्यमय तरीके से बिना किसी सहारे के अपने आप खड़ी हैं। 7 सिर वाले भगवान नाग 'वासुकी नाग' को समर्पित एक वार्षिक तीर्थयात्रा, भद्रवाह की कैलाश यात्रा इस मंदिर में अनुष्ठान पूजा के बाद ही शुरू होती है।

कौन है वासुकी : हिंदू धर्म की पौराणिक कथाओं के अनुसार, वासुकि नागों के राजा हुआ करते थे जिनके माथे पर नागमणि लगी थी। शिवजी के गले में जो नाग है वह वासुकि ही है। इनकी बहन का नाम माता मनसा देवी है। वसुकी के पिता ऋषि कश्यप थे और उनकी मां कद्रू थीं। प्राचीनकाल में कश्मीर का संपूर्ण क्षेत्र ही शेषनाग

(अनंतनाग) और उनके भाईयों का ही क्षेत्र था। यहां पर उन्हीं का राज था।

मंदिर स्थापना से जुड़ी कथा : भद्रवाह को 'नागोन की भूमि' भी कहा जाता है। 8वीं और 9वीं विक्रम संवत के बीच भद्रवाह के चंद्रवंशी राजा, महाराजा धूरी पाल ने अपने राज्य में वासुकी नाग मंदिर के निर्माण की शुरुआत की थी। हालांकि मंदिर निर्माण शुरू हो गया था लेकिन कई प्रयासों के बाद भी मंदिर में मूर्तियों स्थापित करने में बाधा उत्पन्न हो रही थी। तब राजा ने पुजारियों से इसका कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि यहां एक वासक धेरा दुष्ट आत्मा रहती है और उससे छुटकारा पाने के लिए, एक ब्राह्मण की बलि देना होगा।

राजा को यह सुनकर आश्चर्य हुआ लेकिन धूर्त पुजारियों की बात में आकर राजा ने आदेश दे दिया। सलाहकारों की सलाह पर गांव मनवा के एक ब्राह्मण ने उन्हें देवराज और बोधराज नामक ब्राह्मण भाइयों में से एक को पकड़ने का सुझाव दिया। सैनिक गए तब उन्होंने देखा कि उनमें से एक ब्राह्मण बोधराज ध्यान कर रहा था। जैसे ही राजा के सिपाही ने ब्राह्मण का सिर काटने के लिए अपनी तलवार खींची, उसके हाथ हवा में जम गए। फिर जब वह ब्राह्मण ध्यान से जागा तो उसने सैनिक से उसे मारने का उद्देश्य पूछा। इस बीच, ब्राह्मण का भाई देवराज भी जंगलों से शिविर में लौट आया। सिपाहियों ने उन्हें राजा के आदेशों के बारे में बताया। जिसके लिए बोधराज दत्त राजा के सामने जाने के लिए तैयार हो गए। दरबार पहुंचने पर राजा ने विनम्रता से उसे कहानी सुनाई और मदद की गुहार लगाई। इसके लिए, बोधराज ने एक शर्त रखी कि मैं अपना सिर दूर्वा घास से काटूंगा लेकिन मेरी शर्त यह है कि सिर काटने के बाद जहां तक मेरा धड़ चलेगा वहां तक की भूमि मेरे भाई और परिवार को सौंपना होगा और जब तक मेरा धड़ चलेगा तब तक आप उसे रोक नहीं सकते। राजा ने शर्त मांग ली।

बोधराज ने अपना सिर काट कर रख दिया और सिरविहीन शरीर जाग गया और राज्य भद्रवाह में चलने लगा। राजा को अपनी गलती का अहसास हो चला था, क्योंकि सिर मीलों तक पैदल चलता रहा। उस शरीर को मीलों तक जाने के बाद भी कोई रोकने की हिम्मत नहीं कर पाया। अंत में खुद वासुकी नाग गाय के रूप में प्रकट हुए और उन्होंने उस धड़ को रोका। जिसके बाद इस स्थान पर सभी धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ पवित्र संत बोधराज दत्त के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। इस घटना से क्रोधित होकर, ब्राह्मण देवराज ने अंतिम अनुष्ठान के बाद घोषणा की कि उनका परिवार न तो वासुकी मंदिर में पूजा करने के लिए प्रवेश करेगा और न ही प्रसादम या चरणामृत के रूप में कोई प्रसाद स्वीकार करेगा।

बनारस में शिव को भक्त देते हैं आशीर्वाद

बनारस के शिव मंदिर के सामने अगर कोई संत आपको यह कहते हुए मिले कि 'खुश रहा बाबा' तो चौंकिए नहीं.यह अंदाज है काशी के निवासियों का कि वे बाबा भोलेनाथ को आशीष देते हैंआपको अचरज हो सकता है कि जिन बाबा भोलेनाथ से लोग आशीर्वाद मांगते हैं उन्हें आशीर्वाद देने की यह परंपरा कैसी है? असल में काशी के निवासी कहते हैं कि बाबा को यहां दामाद का रूप माना गया है। दामाद स्वरूप पुत्र को यहां के लोग प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। यहां आपको कई साधु, संत, बुजुर्ग शिव मंदिर के सामने से यह बोलकर जाते दिखाई दे सकते हैं- खुश रहा (रहो), प्रसन्न रहा (रहो), दरबार बना रहे, सब मंगल हो, सब कुशल हो यहां तक कि कुछ बुजुर्ग उनके हालचाल जानते भी दिखाई देते हैंबाबा प्रसन्न हो ना, कोई कमी तो नहीं.एक कदम आगे कुछ लोग बाबा की आवभगत ऐसे करते हैं जैसे दामाद स्वरूप पुत्र की होती है। कुछ बुजुर्ग महिलाएं दामाद के लिए होने वाली रस्में महाशिरात्रि, सावन, होली, दिवाली और रंगभरी एकादशी पर निभाते देखी जा सकती हैं। कुल मिलाकर परंपरा यह है कि उन्हें अपने पुत्र सम दामाद का दर्जा देकर उन पर शुभ आशीष बरसाए जाते हैं। पंडितों का कहना है कि बदलते जमाने के साथ यह अब चलन में ज्यादा नहीं है पर पुराने जमाने के लोग अब भी इस परंपरा को निभाने में अपना सम्मान और सौभाग्य समझते हैं।

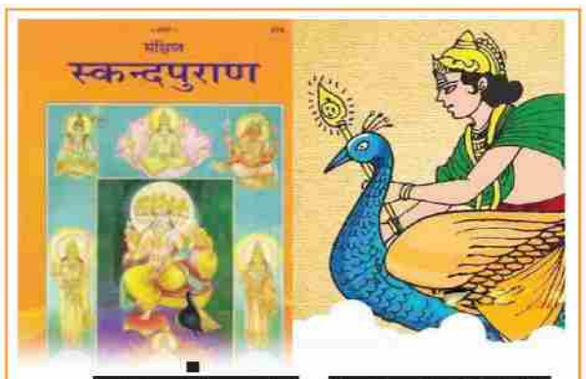

स्कंद पुराण की ऐसी बातें जो आपके काम आएंगी

भगवान शंकर के बड़े पुत्र कार्तिकेय का ही एक नाम स्कन्द है। उन्हीं के नाम पर लिखा गया स्कंद पुराण। इसे महापुराण माना जाता है। पुराणों के क्रम में इसका तेरहवां स्थान है इसके खंडात्मक और संहितात्मक उपलब्ध दो रूपों में से प्रत्येक में 81 हजार श्लोक हैं। आओ जानते हैं इस पुराण की 7 खास बातें।

शंकरजी होते हैं प्रसन्न

स्कंद पुराण का पाठ करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। स्कंद पुराण की महाकाल कथा में इसका वर्णन मिलता है। इसमें 12 ज्योर्तिलिंगों की उत्पत्ति का वर्णन भी है।

प्रदोष व्रत का महत्व

स्कंद पुराण में प्रदोष व्रत के महामात्य का वर्णन मिलता है। इस व्रत को करने से सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। इसमें एक विधवा ब्राह्मणी और शांडिल्य ऋषि की कथा के माध्यम से इस व्रत की महिमा का वर्णन मिलेगा।

गृहस्थ जीवन
जीवितं च धनं दारा पुत्राः क्षेत्र गृहाणि च। याति येषां धर्माकृते त भुवि मानवाः [स्कंदपुराणः]
अर्थात- मनुष्य जीवन में धन, स्त्री, पुत्र, घर-धर्म के काम, और खेत- ये 5 चीजें जिस मनुष्य के पास होती हैं, उसी मनुष्य का जीवन इस धरती पर सफल माना जाता है।

वैशाख मास का महत्व

स्कंद पुराण के वैष्णव खंड अध्याय 4 में वैशाख मास के महामात्य का विस्तार से वर्णन मिलता है। इसके श्लोक 34 के अनुसार इस मास में तेल लगाना, दिन में सोना, कांसे के बर्तन में भोजन करना, दो बार भोजन करना, रात में खाना आदि वर्जित माना गया है। वैशाख के माह में पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। स्कंदपुराण में उल्लेख है कि महीरथ नाम के राजा ने केवल वैशाख स्नान से ही वैकुण्ठधाम प्राप्त किया था। इस माह में पंखा, खरबूजा, अन्य फल, अनाज, जलदान, प्रदोष व्रत, स्कंद पुराण का पाठ करने का महत्व है।

वैशाखे मेषगे भानौ प्रातःस्नानपरायणः ।।
अरघ्यं तेहं प्रदास्यामि गृहाण मधुसूदन ।। 34 ।।

श्रद्धा एवं मेधा का महत्व

संक्षिप्त स्कन्दपुराण के वैष्णवखण्ड-कार्तिकमास-माहात्म्य के अनुसार ब्रम्हाजी कहते हैं कि इस पृथ्वी पर श्रद्धा एवं मेधा ये दो वस्तुएं ऐसी हैं जो काम, क्रोध आदि का नाश करती हैं।

भारत और धर्म का ज्ञान

इस पुराण में काशीखंड, महेश्वर खंड, रेवाखंड, अवन्तिका खण्ड, प्रभास खण्ड, ब्रह्म खण्ड और वैष्णव खण्ड आदि कुल सात खंड है। कुछ विद्वान छह खंड बताते हैं। इसमें 51 शक्तिपीठ, 27 नक्षत्रों, 18 नदियों, भारत के 12 ज्योर्तिलिंगों सहित पर्वत श्रृंखलाओं के उल्लेख के साथ ही धर्म ज्ञान और नीतियों से संबंधित कई बातें बताई गई हैं जो आपके जीवन में काम आ सकती है।

प्राचीन पौराणिक कथाओं का ज्ञान

चंद्र कथा

इस पुराण में सोमदेव, तारा, उनके पुत्र बुध की उत्पत्ति की कथा, 27 नक्षत्रों का वर्णन भी मिलती है। इस कथा के श्रवण से पाप और रोगों का नाश होता है।

तारकासुर वध कथा

यह शैव संप्रदाय का पुराण है जिसमें शिवपुत्र स्कन्द द्वारा तारकासुर के वध की कथा का वर्णन मिलता है। इस कथा के श्रवण और भगवान स्कद की पूजा से सभी क्षेत्र में विजयी प्राप्त होती है।

समुद्र मंथन कथा

इस पुराण में समुद्र मंथन की कथा भी है। कहते हैं जो यह कथा सुनता है उसे आयोग्य और लक्ष्मी की प्राप्त होती है।

गंगा अवतरण कथा

इस पुराण में 18 नदियों सहित गंगा अवतरण की कथा का वर्णन भी है। मोक्षदायीनी गंगा की कथा सुनने से व्यक्ति के सारे पापों का नाश हो जाता है।

सती दाह कथा

इसी पुराण में सती दाह कथा और शक्तिपीठों का वर्णन मिलता है। सती दाह कथा का श्रवण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा स्कंद पुराण में धर्म ज्ञान और नीतियों से संबंधित कई बातें बताई गई हैं जिसे जानकर व्यक्ति का मन निर्मल होकर सदकर्मों में लगता है और जीवन सफल हो जाता है।

गधों का मुल्क बनता जा रहा पाकिस्तान! चीन में है भारी डिमांड, कंगाली दूर करने के लिए निर्यात कर कमा रहा पैसे

इस्लामाबाद । इस सप्ताह जारी वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पाकिस्तान के आर्थिक सर्वेक्षण में अन्य पशुओं के अलावा गधों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कृषि और पशुधन को प्राथमिकता देता रहा है। इसी कड़ी में गधों का चीन को निर्यात करना एक बड़ा हिस्सा है। जानवर इतना महत्वपूर्ण है कि 2021 में पाकिस्तान की हिट एनिमेटेड फिल्म द डोंकी किंग चीन में रिलीज हुई थी। यह राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है- जबकि पिछले साल गधों की संख्या बढ़ी, इमरान खान सरकार को नेशनल असेंबली के बजट सत्र में कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिसमें राजनीतिक नेताओं ने 'गधा राजा की सरकार नहीं चलेगी' के नारे लगाए थे।

हर साल बढ़ रहे एक लाख गधे

ताजा सर्वे के मुताबिक, 2021-2022 में पाकिस्तान में गधों की आबादी बढ़कर 5.7 मिलियन हो गई। पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में गधों की संख्या बढ़कर 56 लाख थी। इसी के साथ पाकिस्तान ने गधों की आबादी में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश होने का गौरव बरकरार रखा है। लिहाजा गधों की बढ़ती तादाद से निपटने के लिए पाकिस्तान चीन को गधे निर्यात करेगा।

चीन में पाकिस्तानी गधों की बढ़ी डिमांड

पाकिस्तान के चीन को गधों की एक्सपोर्ट करने वाली एक हैरान करने वाली बात सामने आई है। खबरों के अनुसार चीन में पाकिस्तानी गधों की भारी डिमांड है। चीन इन्हें भारी दाम देकर खरीदता भी है। एक समझौते के अनुसार, पाकिस्तान चीन को हर साल 80 हजार गधों को भेजता है। जिनका उपयोग मांस और कई अन्य काम के लिए किया जाता है।

युद्ध में और अधिक घातक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है रूस : यूक्रेन

कीव। यूक्रेन और ब्रिटेन के अधिकारियों ने शनिवार को चेतावनी दी कि रूसी सेना बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाले घातक हथियारों का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि रूसी सेना यूक्रेन के पूर्वी हिस्सों पर कब्जा करने के उद्देश्य से और अधिक घातक हथियारों का इस्तेमाल कर सकती है, क्योंकि लंबे समय से चले आ रहे युद्ध के कारण दोनों ही देशों के संसाधनों में कमी आई है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस बात की आशंका है कि रूसी बमवर्षक विमान यूक्रेन में जहाज-रोधी मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन मिसाइलों का इस्तेमाल पहली बार 1960 के दशक में किया गया था। केएच-22 मिसाइलों को प्रमुख रूप से विमान वाहक युद्धपोतों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसमें परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया जाता है। जब पारंपरिक रूप से केएच-22 मिसाइलों का इस्तेमाल जमीनी हमलों में किया जाता है तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं और बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान भी हो सकता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार रूस 5.5 टन वजन वाली जहाज-रोधी मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है।

अमेरिका में बंदूक संबंधी नए कानून बनाने की मांग को लेकर हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

वाशिंगटन। अमेरिका के कई हिस्सों में शनिवार को हजारों लोगों ने बंदूक संस्कृति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और बंदूकों की उपलब्धता को नियंत्रित करने के लिए नए कानून बनाए जाने की मांग की। दरअसल, अमेरिका में हाल के समय में गोलीबारी की घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है। पिछले महीने टेक्सास के उवालदे में एक प्राथमिक विद्यालय में हुई गोलीबारी की घटना में 19 बच्चों और दो वयस्कों की मौत हो गयी थी। इसके बाद बफेलो सुपरमार्केट में हुई भीषण गोलीबारी में भी 10 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद से ही अमेरिका में बंदूक रखने के नियमों को सख्त बनाए जाने की मांग की जा रही है। अमेरिका के कोलंबिया प्रांत की मेयर म्यूरियल बोसेर ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए कहा, ''अब बहुत हो चुका। मैं एक मेयर और एक मां होने के तौर पर यह कह रही हूं। मैं उन लाखों अमेरिकी नागरिकों की ओर से बोल रही हूं, जो कांग्रेस से बंदूक रखने संबंधी नए कानूनों को मंजूरी देने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस का यह कर्तव्य है कि वह हमें और हमारे बच्चों को बंदूकों के कारण होने वाली हिंसा से बचाए।'' फ्लोरिडा के एक स्कूल में 2018 में हुई गोलीबारी की घटना में बचने वाले डेविड हॉग नामक व्यक्ति ने कहा, ''अगर हमारी सरकार 19 बच्चों को उनके ही स्कूल में मारे जाने और कत्ल होने से रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकती है, तो जो सरकार में हैं, यह समय उसे बदल देने का है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इन विरोध प्रदर्शनों का समर्थन किया है और साथ ही उन्होंने कांग्रेस से अपील की है कि नए बंदूक सुरक्षा कानून को जल्द मंजूरी दी जाए।

चीन ने अमेरिका पर एशिया में समर्थन 'हाईजैक' करने के प्रयास का आरोप लगाया

सिंगापुर। चीन के रक्षा मंत्री ने रविवार को अमेरिका पर एशिया प्रशांत क्षेत्र के देशों को बीजिंग के खिलाफ करने के लिये उनके समर्थन को हथियाने (हाईजैक करने) का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि वह ''बहुपक्षवाद की आड़ में'' अपने हितों को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन पर बरसते हुये, एक दिन पहले शांगरीला डायलॉग में लगाये गये उनके 'बदनाम करने वाले आरोपों' को खारिज कर दिया। इन आरोपों में ऑस्टिन ने कहा था कि चीन स्व-शासित ताइवान द्वीप पर अपने दावे और अपनी ''अस्थिरता वाली सैन्य गतिविधि'' से क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर रहा है। ऑस्टिन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ बहुपक्षीय साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके बारे में चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि यह चीन को अलग-थलग करने का एक प्रयास है। फेंगे ने कहा, ''किसी भी देश को बहुपक्षवाद की आड़ में अपनी इच्छा दूसरों पर नहीं थोपनी चाहिए या दूसरों पर रौब नहीं जमाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यह रणनीति हमारे क्षेत्र के देशों का समर्थन हथियाने और एक विशिष्ट देश को निशाना बनाने लिए स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के नाम पर एक विशेष छोटा समूह बनाने का प्रयास है। यह दूसरों को रोकने और उन्हें घेरने के लिए संघर्ष और टकराव पैदा करने की रणनीति है।'' चीन अपनी सेना का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है और इस क्षेत्र में अपने प्रभाव और महत्वाकांक्षाओं का विस्तार करना चाहता है। चीन ने हाल ही में सोलोमन द्वीप समूह के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे कई लोगों को इस बात डर है कि प्रशांत क्षेत्र में चीन अपने नौसैनिक अड्डे बना सकता है।

जल्दी ही हर एक सिगरेट पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखना अनिवार्य कर देगा कनाडा

टोरंटो । कनाडा जल्दी ही दुनिया का पहला ऐसा देश बनने वाला है, जहां प्रत्येक सिगरेट पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखना अनिवार्य होगा। इससे पहले, देश में तंबाकू उत्पादों की पैकिंग पर चेतावनी के रूप में एक ग्राफिक चित्र लगाने की नीति लागू की गई थी। दो दशक पहले शुरू की गई इस नीति को बाद में दुनियाभर में अपनाया गया। मानसिक स्वास्थ्य मंत्री कैरोलिन बेनेट ने कहा हमें उन चिंताओं को दूर करना है कि इन संदेशों का प्रभाव कम हो गया है। हर तंबाकू उत्पाद पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखने से सुनिश्चित किया जा सकेगा कि यह जरूरी संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, जिसमें वे युवा भी शामिल हैं, जो एक बार में एक सिगरेट लेते हैं और पैकेट पर लिखी चेतावनी नहीं देख पाते।
इस प्रस्ताव पर शनिवार से चर्चा होगी और सरकार को लगता है कि 2023 के अंत तक यह नियम लागू किया जा सकेगा। बेनेट ने बताया कि प्रत्येक सिगरेट पर हर कश में जहर है संदेश लिखने का प्रस्ताव है। हालांकि, इसमें बदलाव भी किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नई पैकेजिंग यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि स्वास्थ्य संबंधी संदेश उन लोगों तक खासतौर पर युवा और व्यस्कों तक पहुंचे जो अक्सर सामाजिक परिस्थितियों में एक बार में सिगरेट का उपयोग करते हैं। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के टिपिंग पेपर पर लेबल लगाने से स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियों से पूरी तरह बचना असंभव हो जाएगा।

बीजिंग में फिर से बढ़ सकते हैं कोरोना संक्रमण के केस, शंघाई में घर-घर शुरू की गई टेस्टिंग

बीजिंग । चीन में एक बार फिर से कोरोना की वजह से संकट पैदा हो गया है। राजधानी बीजिंग और शंघाई शहरों में कोरोना का संक्रमण बहुत फैल गया है। बीजिंग में कोरोना के ज्यादातर नए केस को एक 'बार' से जोड़ कर देखा जा रहा है। संक्रमण के 61 नए मामले ऐसे हैं, जो इस बार के अंदर गए या फिर वहां जाने वाले लोगों के संपर्क में आए। उधर शंघाई में भी नए केस आने के बाद बड़े पैमाने पर कोरोना के टेस्ट किए जा रहे हैं।
बीजिंग में कम से कम दो जिलों में कड़े प्रतिबंधों का ऐलान किया गया है। इसमें सबसे अधिक आबादी वाला चाओयांग शामिल है। ये शहर अपनी नाइटलाइफ़ और शॉपिंग के लिए मशहूर है। कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए कई मॉल्स को बंद करने का आदेश दिया गया है। वैसे अगर चीन के कोरोना केस को दुनिया के बाक़ी देशों से तुलना की जाए तो ये बेहद कम है। लेकिन राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कोरोना से पार पाने के लिए ज़ीरो कोविड पॉलिसी को और कड़ाई से पालन करने का आदेश दिया है।

सिंगापुर में 19 वें सांगरी ला डॉयलाग में शामिल हुए अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक मामलों के मुख्य कार्यकारी।

किम ने देश में हथियारों के निर्माण को दोगुना करने की घोषणा की

सियोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश में हथियारों के निर्माण को दोगुना करने की घोषणा करते हुए इसकी वजह एक उग्र सुरक्षा वातावरण बताया। वहीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों का कहना है कि उत्तर कोरिया एक और आसन्न परमाणु परीक्षण की तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है। तीन दिनों की बैठक के दौरान परमाणु कूटनीति में लंबे समय तक गतिरोध के बीच अमेरिका या प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया की कोई सीधी आलोचना शामिल नहीं थी। किम ने आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकारों के एक सही उपयोग के रूप में अपने हथियारों के विकास का बचाव कर कहा कि सशस्त्र बलों और सैन्य वैज्ञानिकों द्वारा इसको आगे बढ़ाया जाएगा।

रिपोर्ट में परमाणु विस्फोट सहित परीक्षण गतिविधि के संबंध में किसी विशिष्ट लक्ष्य या योजना का उल्लेख नहीं किया गया था। सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में देश के प्रमुख मामलों की भी समीक्षा की गई, जिसमें पिछले महीने देश में पहली बार आधिकारिक रूप से स्वीकार किए गए कोरोना के प्रकोप को कम करने के प्रयास शामिल थे।

भारत में जले शहर पर शहर, पाकिस्तान ने कहा शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने किया अत्याचार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए बयान से जुड़े विवाद के कारण भारत के अलग-अलग हिस्सों में जुमे की नमाज के बाद बवाल देखने को मिला। पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया है। पाकिस्तान ने इस घटना की आलोचना की है। भारत में पत्थरबाजी, आगजनी की घटनाएं पाकिस्तान को शांतिपूर्ण नजर आती है। पाकिस्तान का कहना है कि जो लोग शांति से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे पुलिस ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत के अलग-अलग राज्यों में भारतीय अधिकारियों ने अंधाधुंध और व्यापक रूप से क्रूर बल का इस्तेमाल किया है। रांची में दो निर्दोष मुस्लिम प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि रांची में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हवाई फायरिंग की थी। इसमें दो लोग घायल हो गए थे। बाद में उनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पाकिस्तान में भी शुक्रवार को इस घटना के चलते प्रदर्शन हुआ था। पाकिस्तान ने बयान में आगे कहा यह भारत सरकार की दमनकारी हिंदुत्व से प्रेरित बहुसंख्यकवादी नीति का एक उदाहरण है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों को सताना है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत सरकार मुस्लिमों के खिलाफ अत्याचार कर रही है, जिसकी वह निंदा करते हैं। आगे कहा गया कि पाकिस्तान भारतीय मुस्लिमों के साथ खड़ा है। बयान में आगे कहा गया कि इस तरह की घटनाएं सांप्रदायिक हिंसा को और भी बढ़ाएंगी। पाकिस्तान ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के मामले में भारत सरकार से एक बार भी अपील की है कि वह अपमानजनक टिप्पणी करने वालों पर एक्शन ले। इसके अलावा पाकिस्तान ने कहा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी इस मामले का तत्काल संज्ञान लेना चाहिए और भारत को अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुस्लिमों के अधिकारों के हनन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

आर्थिक संकट के दिनों में चीन के मुकाबले भारत ने की अधिक सहायता : रानिल विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि भीषण आर्थिक संकट में चीन की तुलना में भारत ने उनके देश की अधिक मदद की है। भीषण आर्थिक संकट के विरोध में शुरू हुए विरोध-प्रदर्शन के बीच विक्रमसिंघे को श्रीलंका का प्रधानमंत्री बनाया गया था। श्रीलंका के पीएम रानिल विक्रमसिंघे ने बताया कि जब श्रीलंका की मदद करने की बात आई, तो चीन में बड़े पैमाने पर फैली लालफीताशाही ने रुकावट पैदा कर दी और इसीलिए उन्होंने भारत के साथ बातचीत पर अपना ध्यान केंद्रित किया। विक्रमसिंघे ने कहा चीन ने कुछ तरीकों से मदद की है, लेकिन बड़ी व्यवस्था नहीं हो सकी, क्योंकि हमने भारत पर ध्यान केंद्रित किया था। मुझे नहीं लगता कि उस दौरान हमें चीन और जापान से बहुत कुछ मिल सकता था। हमने भारत पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया और यह कोलंबो की गलती नहीं है, क्योंकि भारत पैसा लेकर आया और हम यही चाहते थे। सवाल यह है कि किसके यहां कम लालफीताशाही थी। उन्होंने आगे कहा मैं भारत के अन्य मंत्रियों से बात कर रहा हूं। पीएम नरेंद्र मोदी से भी बात करूंगा। वित्त और विदेश मंत्रियों के संपर्क में हूं। संकट से पहले भी एस जयशंकर से बात कर चुका हूं, जब हम अबू धाबी में मिले थे। हमने वहां लंबी बातचीत की और मैंने उनसे तभी कहा था कि संकट आना तय है।

यूक्रेनी सेना रूसी सैनिकों की उम्मीदों पर पानी फेर रही,

जेलेंस्की बोले- कोई नहीं जानता युद्ध कब तक चलेगा

कीव। (एजेंसी)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि कोई नहीं जानता कि उनके देश में युद्ध कितने समय तक चलेगा लेकिन यूक्रेनी सेना रूसी सैनिकों का पूर्वी यूक्रेन में मुकाबला कर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर रही है। जेलेंस्की ने अपने वीडियो संबोधन में कहा कि उन्हें डोनबास क्षेत्र में रूसी सैनिकों को रोकने के लिए लड़ रहे यूक्रेन के अपने रक्षकों पर गर्व है। उन्होंने कहा, ''याद रखें कि मई की शुरुआत में उन्होंने डोनबास पर कब्जा करने की किस तरह से उम्मीद की थी।'' उन्होंने कहा कि यह युद्ध का 108वां दिन है और युद्ध की शुरुआत में, यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जा करने में विफल रहने के बाद, रूस ने बड़े पैमाने पर रूसी-भाषी डोनबास के हिस्सों के अलावा देश के दक्षिणी तट पर कब्जा करने पर ध्यान केंद्रित किया।

जेलेंस्की ने कहा कि जब युद्ध का अंत दिखाई नहीं दे रहा है, तो यूक्रेन को अपनी रक्षा करने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। अलगाववादी घोषित लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक के प्रमुख लियोनिद पासेचनिक ने कहा कि यूक्रेनी लड़ाके शहर के एक औद्योगिक क्षेत्र में बने हुए हैं, जिसमें एक रासायनिक संयंत्र भी शामिल है जहां नागरिकों ने रूसी गोलाबारी के चलते शरण ली थी। पासेचनिक ने शनिवार को कहा कि सिविएरोडोनेत्स्क पूरी तरह से मुक्त नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन के सैनिक अजोट संयंत्र से शहर पर गोलाबारी कर रहे हैं।

न्यू मैक्सिको : जंगल की आग का सामना करने के लिए बाइडन ने संघीय सहायता बढ़ाई

सांता फे (न्यू मैसिको) (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शनिवार को कहा कि वह न्यू मैक्सिको के लिए संघीय सहायता बढ़ा रहे हैं, क्योंकि यह राज्य अपने इतिहास में जंगलों में सबसे भयावह आग का सामना कर रहा है। आग निर्धारित मानकों के आधार पर वन सेवा द्वारा लगायी गयी थी। यह एक मानक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य दहनशील झाड़ियों को साफ करना है। हालांकि, संघीय अधिकारियों के अनुसार, अप्रैल की शुरुआत से 500 वर्ग मील (1,300 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में फैले सैकड़ों घरों को नष्ट करते हुए आग नियंत्रण से बाहर हो गयी। बाइडन ने सांता फे में एक आपातकालीन केंद्र की यात्रा के दौरान कहा, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि यह घटना दोबारा न हो। यहां उन्होंने स्थानीय, राज्य और संघीय अधिकारियों से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा, संघीय सरकार आपातकालीन प्रतिक्रिया और मलबे को हटाने की पूरी लागत का भुगतान करेगी। इस दौरान न्यू मैक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजन ग्रिशम ने बाइडन से कहा, ''आपके प्रशासन ने शुरू से ही चुनौतियों को स्वीकार किया है और संघीय सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी।'' बाइडन ने कहा कि वह आग से हुए नुकसान की भरपाई प्रशासन द्वारा किये जाने के प्रस्ताव का भी समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के कदम के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता होगी।

सीमा विवाद पर दोस्ती की दुहाई देने लगा चीन,

कहा- अच्छे संबंध बनाए रखना भारत और चीन दोनों के हित में है

सिंगापुर। (एजेंसी)।

चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे ने शनिवार को कहा कि चीन एवं भारत पड़ोसी हैं और आपस में अच्छे संबंध बनाए रखना दोनों देशों के हितों को पूरा करता है तथा दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। यहां शांगरी-ला डायलॉग को संबोधित करते हुए वेई ने दक्षिण चीन सागर सहित क्षेत्रीय विवादों को सुलझाने के लिए शांतिपूर्ण तरीकों का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, चीन और भारत पड़ोसी हैं तथा (आपस में) अच्छे संबंध बनाए रखना दोनों देशों के हितों को पूरा करता है। और यही वजह है कि हम इसी पर काम कर रहे हैं। भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर संघर्ष के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमने भारतीयों के साथ कमांडर स्तर पर 15 दौर की बातचीत की है और हम इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

वेई अमेरिकी थिंक टैंक ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन में द इंडिया प्रोजेक्ट की निदेशक डॉ तन्वी मदान के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। मदान ने मंत्री से ये बताने के लिए कहा था कि दो साल पहले पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने भारत के साथ एलएसी पर कई बिंदुओं पर यथास्थिति बदलने के लिए एकतरफा कदम क्यों उठाया था, जिसके कारण 45 वर्षों में पहली बार सैन्य संघर्ष शुरू हुआ। मदान के अनुसार ये कदम उन समझौतों के उल्लंघन थे जिन्हें भारत एवं चीन ने 25 सालों में बहुत सावधानीपूर्वक बातचीत के जरिए हासिल किये थे। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में पांच मई 2020 से तनावपूर्ण सीमाई गतिरोध है, जब पैंगोंग झील क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प शुरू हुई थी। चीन भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलों तथा सड़कों और आवासीय इकाइयों जैसे अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण भी कर रहा है। लद्दाख गतिरोध का हल करने के लिए भारत और चीन ने अब तक 15 दौर की सैन्य वार्ता की है। वार्ता के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने पिछले साल पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट एवं गोगरा क्षेत्र से अपनी सेनाएं पीछे बुला ली थीं।

बांग्लादेश के मंत्री ने पैगंबर पर टिप्पणी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई के लिए भारत सरकार को दी बधाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

ढाका। बांग्लादेश के सूचना प्रसारण मंत्री डॉक्टर हसन महमूद ने भारत में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के मामले में कानूनी कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार को बधाई दी और कहा कि पैगंबर के खिलाफ किसी भी तरह के बयान की निंदा की जानी चाहिए। भारत से आए पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत में महमूद ने कहा, पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कहीं भी कुछ होता है तो उसकी निंदा की जानी चाहिए, साथ ही हम भारत सरकार को बधाई देते हैं कि उसने उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जिन्होंने पैगंबर पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और उम्मीद जताई कि इसके बाद आगे की प्रक्रिया होगी। अरब समेत अन्य देशों की तरह बांग्लादेश सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर इस मामले में निंदा नहीं किए जाने के संदर्भ में महमूद ने इसे अपने देश के लिए बाहरी मामला बताया। उन्होंने कहा, ''पहली बात तो यह है कि यह आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि एक बाहरी मामला है। यह भारत का आंतरिक मामला है। दुनिया में कहीं भी कुछ होता है तो कुछ इस्लामी पार्टियां यहां प्रदर्शन करती हैं और ऐसा आमतौर पर होता है।'' महमूद ने कहा कि लेकिन यहां बांग्लादेश में यह उस तरह का ध्यान खींचने वाला मुद्दा नहीं है, जिस तरह यह अरब देशों, पाकिस्तान और मलेशिया के लिए है।

कट्टरपंथी तत्वों द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार पर इस मामले में समझौता करने का आरोप लगाये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी के मामले में बांग्लादेश सरकार कोई समझौता नहीं कर रही है और न ही कभी करेगी। मैंने खुद इसकी निंदा की है। सार्वजनिक बैठक में इस मामले में निंदा की। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने पैगंबर पर टिप्पणी के मामले में भाजपा की निलंबित नेता नुपुर शर्मा और पार्टी से निष्कासित नवीन कुमार जिंदल समेत कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। महमूद ने कहा कि बांग्लादेश में कुछ फैनेटिक (कट्टर) समूह हैं जो संख्या में बेहद कम होने और किसी तरह का समर्थन हासिल नहीं होने के बावजूद जोरदार तरीके से आवाज उठाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार इनकी कही बात भारत में मीडिया का ध्यान खींचने में कामयाब रहती है और ऐसा ही कुछ यहां बांग्लादेश में भी होता है। बांग्लादेश के मंत्री ने कहा कि इसी तरह भारत में नेताओं द्वारा घरेलू राजनीति के चलते बांग्लादेश और इसके लोगों के खिलाफ दिए गए बयान यहां सुर्खियां पा जाते हैं। मंत्री ने कहा कि भारत में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र या अहमदाबाद के किसी दूरदराज इलाके में किसी नेता का बयान यहां कई बार सुर्खियां बन जाता है। उन्होंने कहा कि यहां कुछ समाचार पोर्टल उसे ऐसे प्रदर्शित करते हैं कि वह मुद्दा बन जाए। उन्होंने कहा कि कई दोयम दर्जे के अखबार भी इसमें उनका साथ देते हैं जिनका मकसद सिर्फ गलत छवि पेश करना होता है। पिछले दिनों भारत के गृहमंत्री द्वारा बांग्लादेश के लोगों के लिए की गयी एक टिप्पणी के संदर्भ में महमूद ने कहा कि घरेलू राजनीति के चलते ऐसे बयान दिए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे भारत के साथ बेहद प्रगाढ़ संबंध हैं और हम यह समझते हैं आंतरिक राजनीति के कारण नेता कई तरह की बातें कहते हैं।

ऐसे भाषणों को लेकर हम किसी तरह की सफाई की अपेक्षा नहीं रखते।'' महमूद ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते कितने गहरे हैं, इसका एक उदाहरण है कि महामारी के समय में भारत सरकार ने ढाका को 110 एंबुलेंस उपलब्ध कराईं। महमूद ने दावा किया कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश ने बहुत विकास किया है और उसकी प्रगति उल्लेखनीय है।उन्होंने कहा कि सामाजिक, आर्थिक और मानव सूचकांक के मामले में बांग्लादेश की स्थिति पाकिस्तान से कहीं बेहतर है।

एफआईएच प्रो लीग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की जीत से शुरुआत

एंटवर्प (एजेंसी)।

गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के अपने पहले ही मैच में नंबर एक टीम बेल्जियम को पैनाल्टी शूटआउट में 5-4 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। इस मैच में भारतीय टीम 1-3 से पीछे थी पर खेल समाप्त होने के आठ मिनट पहले उसने दो गोल दागकर 3-3 से मैच बराबरी पर ला दिया। गोलकीपर श्रीजेश ने हमलों को विफल करने के साथ ही पैनाल्टी शूटआऊट में एक पेनल्टी स्ट्रोक भी बचाया , अंतिम क्वार्टर में उन्होंने जिस प्रकार दो गोल बचाये उसी कारण भारतीय टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका जिसमें श्रीजेश ने दो शॉट बचाए।

श्रीजेश ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर हेंडरिक्स का शॉट बचाया जो तीसरी पेनल्टी लेने उतरे थे। शूटआऊट जब 4-4 से बराबरी पर था तब आकाशदीप ने गोल करके स्कोर 5-4 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में भारत की ओर से शमशेर सिंह ने 18वें मिनट में गोल किया। वहीं बेल्जियम ने 3 मिनट बाद ही सेड्रिक चार्लियर के गोल की सहायता से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरे क्वार्टर में साइमन गोनार्ड ने 36वें मिनट में एक गोल दागकर बेल्जियम को फिर बढत दिलाई। डि केरपेल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके अपनी टीम की बढ़त 3-1 की कर दी। इसके बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया जिसे हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। वहीं जरमनप्रीत ने तीसरा गोल किया।

दूसरी ओर भारतीय महिला हॉकी टीम को अपने पहले ही मैच में बेल्जियम ने 1-2 से हरा दिया।

एशियाई कप क्वालीफायर : मैच हारने के बाद अफगानी खिलाड़ियों ने भारतीय टीम से की मारपीट

कोलकाता (एजेंसी)।

भारत और अफगानिस्तान के खिलाड़ियों का एक समूह कोलकाता के वीवाईबीके स्टेडियम में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर मैच के बाद लड़ाई करने लगा। मेजबान टीम भारत ने अफगानिस्तान पर 2-1 से जीत दर्ज की जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी धक्का मुक्की लगने लगे। कोलकाता में ग्रुप डी के कड़े मुकाबले में अफगानिस्तान को 2-1 से हराकर भारतीय टीम ने महत्वपूर्ण तीन अंक हासिल किए। सुनील छेत्री ने फिर से एक फ्री-किक गोल (85 %) के साथ अपना जादू दिखाया। मैच हारने के बाद अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया।

सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए एक वीडियो में तीन अफगानिस्तान और दो भारतीय खिलाड़ियों को शुरू में हाथापाई बढ़ने से पहले धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। हालांकि भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ने दोनों पक्षों के खिलाड़ियों को शांत कराने की काफी कोशिश की लेकिन उन्हें भी अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने धक्का दिया। यह देखकर एएफसी अधिकारी मैदान पर पहुंचे लेकिन हाथापाई तेज हो गई। मारपीट क्यों हुई इसका पता नहीं चल पाया है। एएफसी एशियन कप क्वालीफायर की आयोजन समिति ने घटनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा है।

भारतीय भारोत्तोलकों ने युवा विश्व चैम्पियनशिप में दो रजत पदक जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की आकांक्षा किशोर व्यावरे (महिला, 40 किग्रा भार वर्ग) और विजय प्रजापति (पुरुष, 49 किग्रा भार वर्ग) ने मैक्सिको के लियोन में पुरुषों और महिलाओं के आईडब्ल्यूएफ युवा विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2022 में अपनी स्पर्धाओं में दूसरा स्थान हासिल किया। यह दोनों पदक प्रतियोगिता के शुरुआती दिन शनिवार को आए। आकांक्षा ने कुल 127 किग्रा (59 किग्रा + 68 किग्रा) का भार उठाया, जबकि विजय 175 किग्रा (78 किग्रा + 97 किग्रा) उठाने में सफल रहे। आकांक्षा भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के 'नेशनल सेंटर ऑफएक्सीलेंस (एनसीई, औरंगाबाद) और विजय इसके पटियाला इकाई के प्रशिक्षु हैं। भारतीय भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने यहां जारी बयान में कहा, 'मैं लियोन में 2022 आईडब्ल्यूएफ युवा विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी भारोत्तोलकों को बधाई देना चाहता हूं और उन भारतीय कोचों के प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने राष्ट्रीय शिविर में कम समय में एथलीटों को प्रशिक्षित किया है।'

न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड: डेरिल मिशेल का बल्ला चला, 190 बनाकर न्यूजीलैंड को पहुंचाया 553 पर

नॉटिंघम (एजेंसी)।

डेरिल मिशेल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने कैरियर का सर्वोच्च स्कोर 190 रन बनाया और अपनी टीम को 553 रन तक ले गए। बारिश प्रभावित मैच में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में चाय ब्रेक तक न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 481 रन बनाए थे। लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वापसी करते हुए तेजी से न्यूजीलैंड के विकेट चटकाए।

इससे पहले दूसरे दिन के खेल में महज एक विकेट गिरा जब लंच से पहले टॉम ब्लंडेल 106 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे सत्र में मिशेल और पहला मैच खेल रहे माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 40) ने 69 रन और जोड़े। बारिश के कारण चाय का ब्रेक जल्दी लेना पड़ा। मिशेल ने पहले टेस्ट में भी दूसरी पारी में 108 रन बनाए थे। इससे पहले मिशेल और ब्लंडेल ने पांचवें विकेट की साझेदारी में 236 रन जोड़े। ब्लंडेल को स्पिनर जैक लीच ने पवेलियन भेजा जिनका कैच बेन स्टोक्स ने लपका। इससे पहले न्यूजीलैंड के लिए पांचवें विकेट की साझेदारी का रिकॉर्ड नाथन एस्टल और क्रेग मैकमिलन के नाम था जिन्होंने वेलिंगटन में 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 222 रन बनाए थे। इंगलैंड टीम की गेंदबाजी की बात की जाए तो जेम्स एंडरसन ने 62 रन देकर तीन, स्टुअर्ट ब्रॉड ने 107 रन देकर दो, मैटी पॉट्स ने 126 रन देकर, कप्तान बेन स्टोक्स ने 85 रन देकर दो तो जैक लीच ने 140 रन देकर दो विकेट हासिल किए। जवाब में खेलने उतरी इंगलैंड टीम ने अपने ओपनर्स की बदौलत मजबूत शुरूआत की। जैक क्राऊले (4) का जल्द विकेट गिर जाने के बाद एलेक्स लीस और ओली पोप ने 50 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप की और अपनी टीम को संभाल लिया।

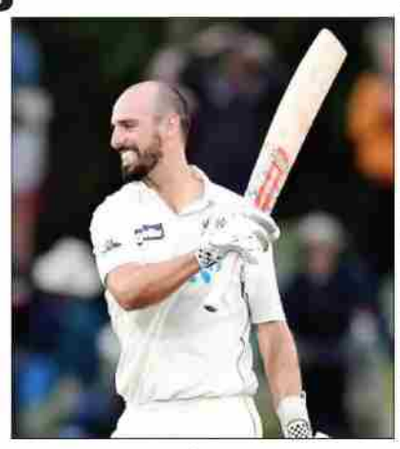

रोनाल्डो को बड़ी राहत, अमरीकी अदालत में बलात्कार का मुकदमा रद्द

वाशिंग्टन । अमरीका की एक अदालत ने पुर्तगाल और मैनचेस्टर युनाइटेड के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के खिलाफ बलात्कार के आरोप के मुकदमे को खारिज कर दिया है। सीएनएन के अनुसार,

यह मुकदमा पूर्वाग्रह के साथ खारिज किया गया है, जिसका अर्थ है कि आरोप लगाने वाली कैथरीन मेयोर्गा दोबारा मुकदमा दर्ज नहीं कर सकतीं। रोनाल्डो पर 2009 में लास वेगास के एक होटल के कमरे में एक महिला के साथ बलात्कार करने का आरोप था और उनके खिलाफ 2.5 करोड़ का मुकदमा दायर किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार मेयोर्गा ने रोनाल्डो के साथ 2010 में कथित तौर पर अदालत के बाहर 3,75,000 डॉलर का समझौता किया था, लेकिन अब वह और रकम की मांग कर रही थीं। संघीय न्यायाधीश जेनिफर डोर्सी ने फैसला सुनाया कि मेयोर्गा द्वारा दायर किया गया मुकदमा उसके वकील द्वारा प्राप्त 'गोपनीय दस्तावेजों' पर आधारित था जिसने उनके मामले को 'दागी' कर दिया था।

ई-नीलामी के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगा आईपीएल : बीसीसीआई

मुबई (एजेंसी)।

भारत में इंटरनेट उपयोग करने वालों की भारी भरकम तादाद को देखते हुए अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ई-नीलामी में मीडिया राइट्स से बीसीसीआई पर पैसा बरसना तय है। अभी आईपीएल की लोकप्रियता नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल), इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) और मेजर लीग बेसबॉल के बाद चौथे नंबर पर है। भारत में माना जा रहा है कि साल 2024 तक इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या बढ़कर 90 करोड़ हो जाएगी। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि नीलामी के बाद आईपीएल दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी अमेजॉन मीडिया राइट्स (2023-2027) की दौड़ से पहले ही हट गयी है। ऐसे में अब मीडिया राइट्स के लिए मुख्य मुकाबला स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर्स डिज्नी हॉटस्टार, सोनी, वायकॉम18 जैसी बड़ी कंपनियां के बीच होगा। पिछली बार स्टार इंडिया ने 2018 से 2022 के लिए आईपीएल इंडिया ब्रॉडकास्ट के मीडिया राइट्स हासिल किये थे। तब स्टार इंडिया ने ग्लोबल बिड में 16,347 करोड़ की सबसे ऊंची बोली लगाई थी। बीसीसीआई ने इस बार नीलामी के लिए आधार मूल्य 32,890 करोड़ रुपये निर्धारित किया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि अगर मीडिया राइट्स आधार मूल्य पर जाते हैं तो भी आईपीएल की ब्रांड वैल्यू में काफी तेजी आयेगी। शाह ने कहा, वर्तमान में एनएफएल में एक मैच के लिए ब्रॉडकास्टर को 17 मिलियन डॉलर भुगतान करना पड़ता है। यह किसी भी स्पोर्ट्स लीग के लिए सबसे अधिक है। इसके बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग में 11 मिलियन डॉलर है और मेजर लीग बेसबॉल का आंकड़ा भी तकरीबन समान है।

चयन में भेदभाव के आरोपों पर कार्रवाई नहीं होने से अवसाद में जा रहे जिमनास्ट आशीष

नई दिल्ली । शीर्ष पुरुष जिमनास्ट आशीष कुमार ने कहा है कि आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए हुए चयन ट्रायल में भेदभाव के आरोप लगाते हुए कहा है कि इससे मुझे टीम में जगह मिलने की उम्मीदें नहीं हैं। साथ ही कहा कि एक महीने के बाद भी इस मामले में कोई कदम नहीं उठाये गये हैं जिससे दुखी होने के कारण मैं अवसाद में जा रहा हूं।

आशीष ने भारतीय जिमनास्टिक महासंघ (जीएफआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को एक पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चयन ट्रायल में उनके साथ न्याय नहीं हुआ है। इसके लिए ट्रायल्स 11 और 12 मई को हुए थे। उन्होंने ट्रायल्स में शीर्ष आठ जिमनास्ट के प्रदर्शन की वीडियो फुटेज की अंतरराष्ट्रीय जज से समीक्षा कराने की भी मांग की थी। वहीं साई ने इसके बाद जिमनास्टिक महासंघ से इस संबंध में रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा साथ ही यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह मामले की जांच के लिए एक समिति गठित करेगा। आशीष ने कहा कि इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई यह अभी तक जीएफआई और साई ने नहीं बताया है। इससे उनकी उम्मीदें हर बीत रहे दिन के साथ ही कम होती जा रही हैं। साथ ही कहा, 'मैं इस पूरे प्रकरण से अवसाद का अनुभव महसूस कर रहा हूं। मैं नहीं जानता कि मैं ट्रेनिंग क्यूं कर रहा हूं। जब आपको पता ही नहीं है कि आप राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले पाओगे या नहीं तो संशय की हालत में ट्रेनिंग किस प्रकार से जारी रखी जा सकती है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में जीएफआई अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने कहा कि उन्होंने रिपोर्ट सौंप दी है और अब फैसला साई को करना है।

हम घरेलू मैदान में अच्छा करने के लिए पूरा जोर लगाएंगे: सुनील छेत्री

कोलकाता। (एजेंसी)।

घरेलू दर्शकों के सामने लगातार दो जीत दर्ज कर आत्मविश्वास से भरी भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा कि टीम हांगकांग के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफिकेशन ग्रुप डी के आखिरी क्वालीफाइंग मैच में जीत दर्ज कर अगले दौर में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगायेगी। भारत ने शनिवार को अफगानिस्तान के खिलाफ बेहद रोमांचक मुकाबले में 2-1 से जीत दर्ज की। मैच के तीनों गोल खेल के 86वें मिनट के बाद हुए। यहां के साल्ट लेक स्टेडियम में 40000 दर्शकों के सामने छेत्री ने 86वें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला। जुबैर अमीरी ने हालांकि इसके दो मिनट के बाद अफगानिस्तान के लिए बराबरी का गोल दाग दिया। मैच जब ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था तब सहल अब्दुल समद के गोल (90+1 मिनट) ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को जश्न में डूबा दिया। छेत्री के लिए यह मुकाबला खास था क्योंकि उन्होंने इसी दिन अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपने 17 साल पूरे किये। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छेत्री का यह 83वां गोल था। छेत्री ने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में इस तरह से अपने 17 साल का जश्न मना कर बहुत अच्छा लग रहा है। अफगानिस्तान के गोल के बाद मुझे लगा कि शायद हमें अंक साझा करने होंगे। लेकिन हमारे खिलाड़ियों ने वही किया जिसके लिए वे मैदान में उतरे थे।'' इस करिश्माई खिलाड़ी ने कहा, '' मेरे लिये इस तरह की उपलब्धियां हालांकि बहुत मायने नहीं रखती हैं लेकिन मैं इतने लंबे समय तक राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने के लिए सम्मानित और भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं।'' मैच के अंतिम समय में अब्दुल सहल समद के निर्णायक गोल के बाद उसैन बोल्ट की तरह उनके जश्न मनाने के तरीके के बारे में पूछे जाने पर छेत्री ने हंसते हुए कहा, ''अगर आप मेरा 'जीपीएस' देखेंगे तो शायद उस दिन का यह मेरी सबसे तेज स्प्रिंट (दौड़) थी। हम अब थोड़ा सा आराम करने के साथ वीडियो देख कर अगले मैच की तैयारी करेंगे। हांगकांग एक मजबूत टीम है, लेकिन हम घरेलू मैदान पर खेल रहे है। हम जीत के लिए पूरा जोर लगायेंगे। प्रशंसक भी वहां होंगे। '' इस जीत से भारत को ग्रुप में अपनी स्थिति मजबूत की। टीम 2019 में ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद लगातार दूसरे और कुल पांचवीं बार मुख्य चरण के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश कर रही है। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा, ''अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हम' ब्लू टाइगर्स' थे, और हमें मैदान में ऐसे ही रहने की जरूरत है। हम ऐसे प्रदर्शन को जारी रखना चाहते हैं।'' मैच के आखिरी क्षणों में विजयी गोल दागने वाले अब्दुल सहल ने खुशी का इजहार करते हुए कहा, '' यह जीत प्रशंसकों के सामने मिली है। इससे इसके मायने और बढ़ गये हैं। मुझे खुद पर भरोसा रखकर गोलकीपर को छकाना था। मेरे गोल करने से पहले ही पूरी टीम ने जश्न मनाना शुरू कर दिया था।

साइक्लिंग कोच पर लगे आरोपों की जांच करेगा साई

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने कहा है कि बर्खास्त राष्ट्रीय कोच आरके शर्मा पर लगे आरोपों की जांच होगी। इसके लिए स्लोवेनिया दौरे पर गए पूरे साइक्लिंग दल के साथ बात की जाएगी। कोच पर एक महिला साइकिलिस्ट ने उत्पीड़न के आरोप लगाये थे। इस मामले में महिला साइकिलिस्ट ने कोच के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। महिला खिलाड़ी के आरोपों के बाद कोच का अनुबंध भी समाप्त कर दिया गया है। कोच पर आरोप लगाने वाली महिला साइकिल चालक इस सप्ताह की शुरुआत में ही स्लोवेनिया से वापस आ गयी थी जबकि पांच पुरुष साइकिल चालक और कोच शर्मा सहित दल के बाकी सदस्य शनिवार की सुबह ही भारत लौटे। साई ने अपने एक बयान में कहा , 'राष्ट्रीय स्तर की एक साइकिलिस्ट ने शनिवार को राष्ट्रीय कोच के खिलाफ स्लोवेनिया दौरे पर आपत्ति जनक बर्ताव के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।' साई ने कहा कि उसने आंतरिक शिकायत समिति के जरिये इस मामले की जांच कराई इसके साथ ही खिलाड़ी को पुलिस में शिकायत दर्ज को भी कहा। इस बयान में कहा गया , 'खिलाड़ी के साथ एफआईआर दर्ज कराने के लिये साई ने 'टॉप्स' से अपने दो अधिकारी भी साथ में भेजे थे जिनमें एक महिला अधिकारी भी शामिल थी। जांच समिति ने पहले ही कोच और महिला साइकिल चालक से बात कर ली थी, अब वह इस मामले में और जानकारी के लिए अगले सप्ताह दल के अन्य सदस्यों से भी बात करेगी।

बांग्लादेश को राहत, वेस्टइंडीज दौरे के लिए प्रमुख तेज गेंदबाज की टीम में वापसी

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश के प्रमुख तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और शोरिफुल इस्लाम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 श्रंखला के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। दोनों गेंदबाजों को चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रंखला से बाहर रखा गया है, लेकिन प्रबंधन ने उन्हें टी20 मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया है। श्रीलंका के खिलाफ चट्टोग्राम टेस्ट के दौरान शोरिफुल की कलाई में चोट आने के बाद वह वेस्ट डीज के विरुद्ध टेस्ट नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्होंने शनिवार से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। शोरिफुल ने क्रिकबज् को बताया, 'आज मैंने गेंदबाजी शुरू कर दी है, और करीब छह ओवर गेंदबाजी की है। उम्मीद है कि लगभग एक हफ्ते में मैं पूरी लय के साथ गेंदबाजी कर सकूंगा।' शोरिफुल ने जहां शनिवार को गेंदबाजी शुरू की, वहीं तस्कीन ने यह एक जून को ही शुरू कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान कंधे में चोट लगने से तस्कीन श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से चूक गए थे, क्योंकि वह रिकवरी के लिए एक रिहैब प्रोग्राम से गुजर रहे थे। तस्कीन ने कहा, 'मैं एक दिन में चार ओवर और दूसरे दिन आठ ओवर गेंदबाजी कर रहा हूं और फिजियो के निर्देश का पालन करके सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए तैयार हो रहा हूं। मैं इस समय कोई दर्द महसूस नहीं कर रहा हूं और वेस्टइंडीज दौरे से पहले अपनी पूरी लय हासिल करना चाहता हूं।'

निक किर्गियोस ने कहा: मर्रे से हार के दौरान नस्ली टिप्पणियों का सामना किया

स्टुटगार्ट। ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस ने कहा कि स्टुटगार्ट ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में एंडी मर्रे से हार के दौरान उन्हें दर्शकों की नस्ली टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। किर्गियोस ने मर्रे से 7-6 (5), 6-2 से हारने के बाद इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि उन्होंने शनिवार को खेले गये मैच में दर्शकों की अपमानजनक टिप्पणियां सुनीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'यह सब कब रुकेगा? दर्शकों की नस्ली टिप्पणियों का सामना करना?' किर्गियोस ने कहा, 'मैं जानता हूं मेरा व्यवहार हर समय सबसे अच्छा नहीं रहता लेकिन 'काली भेड़' और 'चुप रहो और खेलो' जैसी टिप्पणियां कतई स्वीकार्य नहीं हैं। जब मैं दर्शकों को जवाब देता हूं तो मुझे दंडित किया जाता है। यह सही नहीं है।' मर्रे 2016 में विंबलडन जीतने के बाद से अपना पहला ग्रास कोर्ट एकल फाइनल खेलेंगे, जिसमें उनका सामना इटली के दूसरी वरीयता प्राप्त माटेओ बेरेटिनी से होगा। बेरेटिनी ने बिना सर्विस ब्रेक वाले एक संघर्षपूर्ण मैच में ऑस्कर ओट्टे को 7-6 (7), 7-6 (5) से हराया।

एशियाई खेलों में 400 मीटर में वापसी करना चाहती है धाविका हिमा दास

चेन्नई। (एजेंसी)।

स्टार धाविका हिमा दास को जिस 400 मीटर में शानदार प्रदर्शन से 2018 में प्रसिद्धि मिली थी वह उसमें फिर से वापसी करने के लिये प्रतिबद्ध है और उन्होंने एक साल के लिये स्थगित किये गये एशियाई खेलों में अपनी इस प्रिय स्पर्धा में हिस्सा लेने को अपना लक्ष्य बनाया है। इस 22 वर्षीय एथलीट ने आखिरी बार किसी बड़ी प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ में अप्रैल 2019 में दोहा में एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। पीठ दर्द के कारण तब वह दौड़ के बीच से हट गई थी।

हिमा ने बाद में 2019 में चेक गणराज्य में छोटी श्रेणी की दो प्रतियोगिताओं में 400 मीटर में दौड़ लगाई, लेकिन तब से उन्होंने इस दौड़ में भाग नहीं लिया। वह पीठ की चोट के कारण 2019 में विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पायी थी। हिमा ने यहां राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 100 मीटर दौड़ में 10.43 सेकेंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, ''मैंने 400 मीटर दौड़ को अपनी योजना से नहीं हटाया है। यह (चोट से उबरना) एक लंबी प्रक्रिया है। जब मैं चोटिल थी तो 400 मीटर दौड़ने में सक्षम नहीं थी क्योंकि मेरी पीठ के दाहिने तरफ बहुत दबाव पड़ रहा था।'' उन्होंने कहा, ''मेरा एल4 और एल5 (रीढ़ में दो कशेरुक) टूट गये थे। जब भी मैं दौड़ती हूं तो यह मुझे प्रभावित करता है। फिर मैंने अपनी फिजियोथेरेपी की और धीरे धीरे मैं 30 मीटर, 40 मीटर, 50 मीटर, 100 मीटर और फिर 200 मीटरदौड़ने लगी।

300 मीटर तक मेरी स्थिति अच्छी रहती है। मैंने कुछ समय पहले यूरोप में 300 मीटर दौड़ लगाई थी।'' यह पूछे जाने पर कि वह 400 मीटर दौड़ कब शुरू कर सकती हैं,हिमा ने कहा, ''अभी नहीं, लेकिन निश्चित रूप से ऐसा (निकट भविष्य में) करूंगी।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा इस साल के आखिर में हो सकता है। इससे मैं स्थगित एशियाई खेलों के लिए 400 मीटर की तैयारी कर सकती हूं क्योंकि मुझे (एशियाई खेलों के लिए) तैयारी के लिए समय चाहिए।'' हिमा को पिछले साल पटियाला में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप के दौरान भी चोट लगी थी।

चोट के कारण उन्हें 100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर रिले फाइनल से बाहर होना पड़ा था। वह 200 मीटर फाइनल में दौड़ी लेकिनपांचवें स्थान पर रहने के कारण तोक्यो ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पायी थी। एशियाई खेल पहले इस साल सितंबर में होने थे लेकिन मेजबान देश चीन में कोविड-19 के मामले बढ़ने के कारण इन्हें स्थगित कर दिया गया। इनका आयोजन अगले साल होने की संभावना है।

चेन्नइयिन ने डिफेंडर गुरमुख से करार किया

चेन्नई । चेन्नइयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मुकाबले के लिए राजस्थान युनाइटेड एफसी की रक्षापंक्ति के खिलाड़ी गुरमुख सिंह के साथ दो साल का अनुबंध किया है। गुरमुख आई-लीग फुटबॉल में राजस्थान युनाइटेड की ओर से खेलते हैं। गुरमुख ने कहा कि जब से मैंने फुटबॉल खेलना शुरू किया है, आईएसएल में खेलना हमेशा से ही मेरा लक्ष्य रहा है और आज यह सच हुआ है। मुझ पर विश्वास रखने के लिए मैं चेन्नईयिन टीम का आभारी हूं।इस फुटबॉलर ने अपने पदार्पण सत्र में राजस्थान की टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन कर उसे 2021 में आई-लीग के दूसरे डिवीजन में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह ईस्ट बंगाल अकादमी से प्रशिक्षण लेने के बाद वह मिनर्वा अकादमी एफसी में भी थे। चेन्नइयिन की ओर से कहा गया है कि गुरमुख के आने से उनकी टीम की रक्षापंक्ति और बेहतर होगी।

आने वाले दिनों में 'अच्छे दिन' और 'अच्छे' बन जाएंगे : शाह

अहमदाबाद, 12 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात के दीव में 80 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों और खुखरी संग्रहालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 'अच्छे दिन अभी और भी अच्छे होने वाले हैं।'

उन्होंने राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी, केंद्र शासित प्रदेश (दमन और दीव) के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल और राज्य के राजस्व मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी की उपस्थिति में एक जनसभा को संबोधित किया।

शाह ने अपने संबोधन में कहा, 'मैं गृहमंत्री बनने के बाद पहली बार दीव आया हूं। आज पहली बार पश्चिमी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक दीव में हुई। वे इतने खुश होकर वापस चले गए। प्रफुल्ल पटेल द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। पहले जब विकास परियोजनाओं का वितरण किया जा रहा था, तो दिल्ली से दीव और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में केवल एक छोटी राशि ही पहुंचती थी। अब, प्रफुल्ल पटेल ने यहां विकास को गति दी है।'

उन्होंने कहा, 'दुनिया 8 जून को महासागर दिवस मनाती है, समुद्री जीवन के बारे में जागरूकता बढ़ाती है, द्वीपों की सफाई करती है और एकल-उपयोग वाले ख़लास्टिक को खत्म करती है। इस पर पूरी दुनिया में चर्चा की गई थी। हम पहले ही दीव में ऐसा कर चुके हैं, जो एकमात्र क्षेत्र है जो चलता है पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर।'

शाह ने कहा, 'खुखरी संग्रहालय उन सभी के लिए आकर्षण का केंद्र होगा जो भारत की भूमि से प्यार करते हैं। दृष्टि के बिना विकास संभव नहीं है। प्रफुल्ल पटेल ने दीव, दादरा और सिलवासा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को लागू किया। मैं अपने युवा मित्रों और छात्रों से आग्रह करता हूं। इस संग्रहालय का दौरा करने और खुकरी के इतिहास को समझने के लिए।'

40 करोड़ रुपये की लागत से शनिवार को दीव से घोघा तक केबल कार सुविधा का उद्घाटन किया गया।

पांच करोड़ रुपये की लागत से दीव किले के बाहर सार्वजनिक प्लाजा के निर्माण के साथ आठ करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट सिटी मिशन पर काम शुरू हो गया है। पानी कोठा के पुनर्विकास, एक बस टर्मिनल के पुनर्विकास और दीव के दोनों प्रवेश द्वारों पर एक सुंदर स्मारक के निर्माण का उद्घाटन किया गया। इसलिए शनिवार को 80 करोड़ रुपये की लागत से सात कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया गया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, 'आज यहां जिस खुखरी स्मारक का अनावरण किया जा रहा है, वह हमारी सेना के उन जवानों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। युवाओं और छात्रों को मेरी सलाह है कि उन्हें इतिहास को समझना चाहिए।'

शाह ने आगे कहा, 'मोदीजी की सरकार ने हाल ही में आठ साल पूरे किए हैं। मैं आज सरकार के करीबी पर्यवेक्षक के रूप में आपके पास आया हूं, पार्टी अध्यक्ष के रूप में पहले पांच साल और कैबिनेट मंत्री के रूप में तीन साल। मैंने पीएम नरेंद्र मोदी की कड़ी मेहनत को करीब से देखा है। पिछले आठ वर्षों में मुझे उनकी योजना और दृष्टि को करीब से देखने का अवसर मिला है, जिससे न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया चकित है।'

उन्होंने कहा, 'आठ साल में उन्होंने (मोदी ने) दुनिया में भारत का सम्मान फिर से स्थापित करने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने तकनीक का इस्तेमाल इस तरह किया कि 130 करोड़ लोगों को बिना किसी परेशानी के टीके और प्रमाण पत्र मिले। ऐसी स्थिति में भविष्य में भी एक लीटर ऑक्सीजन का आयात नहीं करना पड़ेगा। आज हमने एथलीटों को इतनी सुविधा और मदद दी है कि हम जल्द ही शीर्ष पांच देशों में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे।'

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से इस केंद्र शासित प्रदेश में हर महीने 2,59,200 लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज मिलता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश में लाखों लोगों के घरों, शौचालयों, बिजली, भोजन आदि के साथ उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद की है।

ईडी के समन से कांग्रेस नहीं डरेगी : गौरव वल्लभ

जयपुर, 12 जून (एजेन्सी)। राजस्थान कांग्रेस सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन देने के विरोध में कल जयपुर स्थित ईडी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह 9 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से ईडी के दफ्तर तक पैदल मार्च निकालेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स, डीआरआई कभी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को समन जारी क्यों नहीं करती। जब कोई व्यक्ति विपक्षी दल में होता है, तो उसे तुरंत समन जारी हो जाता है। जैसे ही बीजेपी में शामिल होता है, समन वापस हो जाता है। बीजेपी के दो सांसद संजय पाटिल और एक अन्य तो खुले मंच से ये बोल चुके हैं कि ईडी में उनका कुछ नहीं हो सकता, क्योंकि वो बीजेपी में हैं। लेकिन जिस तरह कांग्रेस ने बिना डरे, बिना झुके अंग्रेजों को भारत से खदेड़ा था. अब काले अंग्रेजों को सत्ता से बेदखल करेंगे.

प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस कार्यालय में आज हुई प्रेस वार्ता में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासर ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि मोदी सरकार का 3 (डिस्ट्रक्ट, डायवर्ट और डिस्टोर्ट) रूल पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार मुद्दों से भटकाने, मुद्दों को असत्य रूप से प्रस्तुत करने और कृत्रिम रूप से नया मुद्दा बनाकर देश के सामने रखने के मॉडल पर काम कर रही है, लेकिन ये पॉलिसी ना तो पहले चली और ना ही नेशनल हेराल्ड के मामले में चलेगी। गौरव वल्लभ ने नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र के बारे में बताया कि इस समाचार पत्र की स्थापना पं. जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, पुरुषोत्तम टंडन, आचार्य नरेंद्र देव, रफी अहमद किदवई और अन्य नेताओं ने 1937 में की थी। ताकि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नामक कंपनी को स्थापित करके देश में स्वतंत्रता आंदोलन को आवाज दी जा सके। 1942 से 1945 तक अंग्रेजों की ओर से 'भारत छोड़ो' आंदोलन के दौरान इस समाचार पत्र को प्रतिबंधित कर दिया गया था, जिसे महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के लिए एक त्रासदी के रूप में वर्णित किया था।

गौरव वल्लभ ने कहा कि इस समाचार पत्र की संपादकीय उत्कृष्टता के बावजूद, नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र निरंतर आर्थिक रूप से घाटे में जाता गया, जिसके परिणामस्वरूप इसकी देय बकाया राशि 90 करोड़ रुपए तक पहुंच गईं। इस संकट में फंसे नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की सहायता के लिए कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 2002 से लेकर 2011 के दौरान लगभग 100 किश्तों में इसे 90 करोड़ रुपये का ऋण दिया। जिसमें से नेशनल हेराल्ड ने 67 करोड़ रुपए अपने कर्मचारियों के वेतन और वीआरएस का भुगतान करने के लिए उपयोग किए। बाकी की राशि बिजली शुल्क, गृह कर, किरायेदारी शुल्क और भवन व्यय आदि जैसी सरकारी देनदारियों के भुगतान के लिए इस्तेमाल की गई।

गौरव वल्लभ ने कहा कि बीजेपी में बैठे लोग और उनके हितैषी, जो कि नेशनल हेराल्ड को दिए गए इस 90 करोड़ रुपए के ऋण को अपराधिक कृत्य के रूप में मान रहे हैं, ऐसा वो विवेकहीनता और दुर्भावना से अभिप्रेत होकर कह रहे हैं। क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल की ओर से ऋण देना भारत में किसी भी कानून के तहत एक आपराधिक कृत्य नहीं है. फिर, कांग्रेस पार्टी का एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को समय-समय पर 90 करोड़ रुपए का ऋण देना कैसे एक आपराधिक कृत्य माना जा सकता है? इस ऋण को विधिवत रूप से कांग्रेस पार्टी के खातों की किताबों में दर्शाया गया था, जिसका विधिवत लेखा-जोखा किया गया और भारत के चुनाव आयोग को प्रस्तुत भी किया गया। यहां तक कि चुनाव आयोग ने 6 नवम्बर, 2012 के अपने एक पत्र के माध्यम से सुब्रमण्यम स्वामी को ये स्पष्ट करते हुए लिखा था कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो किसी राजनीतिक दल की ओर से खर्च को प्रतिबंधित या नियंत्रित करता हो।

हावड़ा जाने से रोके जाने पर शुभेंदु अधिकारी ने कहा- अदालत का दरवाजा खटखटाऊंगा

कोलकाता, 12 जून (एजेन्सी)। नूपुर शर्मा के बयान के विरोध में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद उपद्रवियों ने हावड़ा में बीजेपी के दफ्तर को आग के हवाले कर दिया था, इसको लेकर बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी और बंगाल पुलिस में ठन गई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को हावड़ा जाने से रोका गया तो उन्होंने पुलिस को चुनौती दे डाली है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि वह पुलिस के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हिंसा के बाद से हावड़ा में धारा 144 लगाई गई है।

शुभेंदु अधिकारी के गृह नगर में कांथी पुलिस स्टेशन से एक लेटर जारी करके कहा गया कि उन्हें हावड़ा आने से इसलिए रोका गया है क्योंकि प्रशासन को उनकी सुरक्षा की चिंता है। वहीं अधिकारी ने कांथी से हावड़ा रवाना होने से पहले कहा, हावड़ा में हमारे पार्टी कार्यालय पर हमला किया गया और मैं वहां जाऊंगा। मैं धारा 144 का उल्लंघन नहीं करूंगा और अकेला ही जाऊंगा। अगर पुलिस ने रोका तो मैं अगले दिन कोर्ट चला जाऊंगा।

अधिकारी ने कहा, एक संकटग्रस्त इलाके में जाने से इस तरह नहीं रोका जा सकता। बता दें कि इससे पहले राज्य में भाजपा प्रमुख सुकांता मजूमदार भी हावड़ा जाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उन्हें रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया गया था। भाजपा नेता अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा, 'पहले ममता बनर्जी ने सुकांत मजूमदार को हिरासत में लिवाया और अब विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को हावड़ा जाने से रोक रही हैं। उनका पूरा फोकस विपक्ष पर है न कि दुधैल गायों पर है।' इसपर टीएमसी के कुणाल घोष ने कहा कि अधिकारी हावड़ा इसलिए जाना चाहते हैं ताकि वह संकट को और बढ़ा सकें। उन्होंने कहा, 'उन इलाकों में जाने की क्या जरूरत है जहां धारा 144 लगी हुई है। वह केवल दिक्कत बढ़ाना चाहते हैं। भाजपा राज्य का शांतिपूर्ण वातावरण खराब कर रही है।'

पत्थरबाजों में ही नहीं आतंकियों में भी सपा को नजर आते हैं शांतिदूत : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 12 जून (एजेन्सी)। प्रयागराज हिंसा मामले के मास्टरमाइंड मोहम्मद जावेद का घर रविवार को बुलडोजर से जमींदोज किए जाने की कार्रवाई पर अखिलेश द्वारा सवाल उठाने के जवाब में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा को पत्थरबाजों और आतंकियों में हमेशा से ही शांतिदूत नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि ये कोई पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने दंगाईयों और पत्थरबाजों की पैरवी की हो, जब-जब योगी सरकार का बुलडोजर इन अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर गरजता है तो अखिलेश इनके समर्थन में आ जाते हैं, क्योंकि इनका वोटबैंक यही लोग रहे हैं, अगर ये इनके समर्थन में नहीं उतरेंगे तो इनकी राजनीति कैसे चमकेगी। उन्होंने कहा कि अब तो लोग भी कहने लगे हैं कि 'सपा का हाथ पत्थरबाजों के साथ।

डिप्टी सीएम ने कहा कि वाराणसी, अयोध्या और लखनऊ में भी कुछ साल पहले जब आतंकियों ने बम ब्लास्ट कर कई बेगुनाहों की जान ली थी, तब उन कथित 'शांति दूतों' की पैरवी के लिए सपा हाईकोर्ट तक की शरण में चली गई थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी बमकांड का आरोपी जिसे हाल में सेशनकोर्ट ने सजा सुनाई वह भी सपा के लिए शांति दूत ही था। तभी तो उसकी पैरवी के लिए सपा अदालत में गई। उन्होंने अखिलेश को इस मामले में हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी को याद दिलाते हुए कहा कि अदालत ने कहा था कि कि आज आप जिनकी पैरवी कर रहे हैं, कल क्या उनको पद्मभूषण से नवाजेंगे? डिप्टी सीएम ने कहा कि तब भी सपा की फजीहत हुई थी और पत्थरबाजों का समर्थन करने के लिए आज भी हो रही है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने अपने कार्यकाल में सर्फि दंगा और दंगाईयों का समर्थन किया हो वो आज इंसाफ की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में दंगाईयों के लिए कोई जगह नहीं है। हमारी सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम कर रही है और ऐसे पत्थरबाजों को किसी भी हालत में बख्शेगी नहीं।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश को पता है सपा हमेशा से इन दंगाईयों की रहनुमा ही रही है। तुष्टीकरण की इसी राष्ट्रघाती राजनीति के कारण हाल के वर्षों में पंचायत से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत के चुनाव में सपा को मुंह की खानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार जो कर रही है वह कानून के मुकम्मल बुनियादी पर कर रही है। सपा की राजनीति की बुनियाद ही तुष्टीकरण है, लिहाजा अखिलेश को कुछ दिखेगा ही नहीं।

केंद्र के कदम पर चला हरियाणा, सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में कैडर के हिसाब से मिलेगा आरक्षण

चंडीगढ़, 12 जून (एजेन्सी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज यह घोषणा की कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में केंद्र की तरह कैडर के हिसाब से आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कई अन्य बड़ी घोषणाएं भी की हैं। सीएम खट्टर रविवार को रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय संत कबीर दास जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में केंद्र की तरह कैडर के हिसाब से आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने अनुसूचित जाति या पिछड़े समाज के शिक्षण संस्थानों, धर्मशालाओं में एक कमरा उपलब्ध होने पर शिक्षा विभाग की तरफ से लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने पिछड़े समाज की धर्मशालाओं में 5 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाने में 75 प्रतिशत की सब्सिडी देने की भी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनआईटी और आईआईटी में आरक्षण की व्यवस्था के लिए भी केंद्र से बात की जाएगी। खट्टर ने कहा कि संत कबीर के जन्मस्थान बनारस की जो भी कोई यात्रा करना चाहता हो उसके लिए रेलवे का किराया दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ में उनके सरकारी आवास का नाम भी संत कबीर कुटीर किया जाएगा।

खट्टर ने कहा कि संत कबीर दास धार्मिक एकता के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने मानव मात्र से प्रेम का संदेश दिया। उनके अनुयायी आज भी उनकी वाणी का प्रचार कर रहे हैं। उनकी शिक्षाएं समाज की धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि हम संत कबीर के सिद्धांतों के अनुरूप अंत्योदय को वचनबद्ध हैं।

यूपी में बुलडोजर बना गुंडागर्दी का प्रतीक : जयंत चौधरी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में जुमे की नमाज के बाद प्रयागराज, हाथरस, फिरोजाबाद आदि जगहों पर हुई हिंसा के बाद अब पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इनसब के बीच इस मसले पर सियासत भी जारी है। आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा है, 'बुलडोजर कानून का राज लागु नहीं कर रहा है। बल्कि यह राज्य प्रायोजित गुंडागर्दी का प्रतीक बन गया है!'

दरअसल यह बयान तक आया है जब प्रयागराज हिंसा के मास्टरमाइंड मोहम्मद जावेद उर्फ पंप के अवैध घर पर बुलडोजर चल रहा है। उत्तरप्रदेश पुलिस हिंसा में शामिल लोगों को गिरफ्तार व उनपर कार्रवाई करने में जुटी हुई है। प्रदेश में पुलिस ने अब तक 300 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें प्रयागराज से 91, हाथरस से 51, सहारनपुर से 71, मुरादाबाद से 34, फिरोजाबाद से 15, अलीगढ़ से छह, अम्बेडकरनगर से 34 और जालौन से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इन सभी के खिलाफ पथराव, माहौल बिगाड़ने तथा लोगों को भड़काने में लिप्त होने का आरोप है। बवाल करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार चल रही है। फिलहाल इन सभी जिलों के हिंसा वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था सामान्य है और हालात काबू में हैं।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी की निवेश परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए : सीएम योगी

लखनऊ, 12 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हाल में हुई ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में आए निवेश परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। इनके अमल के लिए उद्यमियों को हर सम्भव सहयोग और मदद प्रदान की जाए। संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव अपने सेक्टर से जुड़ी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करें तथा निवेशकों के साथ संवाद बनाए रखें।

मुख्यमंत्री रविवार को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के बाद की जा रही कार्यवाही की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा इस आयोजन में 80,224 करोड़ रुपये के निवेश की 1406 परियोजनाओं का शुभारम्भ किया गया। इन परियोजनाओं से लगभग 5 लाख प्रत्यक्ष और लगभग 20 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा। औद्योगिक विकास तथा रोजगार की दृष्टि से यह परियोजनाएं अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इनके क्रियान्वयन की स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूंजी निवेश के लिए उत्तर प्रदेश एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरा है। वर्तमान सरकार द्वारा विगत 5 वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय कार्य का लाभ नए निवेशकों को आकर्षित करने तथा पूंजी निवेश लाने में निश्चित रूप से मिलेगा। उन्होंने पूंजी निवेश और वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक रणनीति बना कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी की प्रमुख परियोजनाओं में 25 प्रतिशत परियोजनाएं डेटा सेन्टर की स्थापना, 14 प्रतिशत कृषि व संबद्ध क्षेत्र, 10 प्रतिशत आईटी एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 प्रतिशत इन्फ्रास्ट्रक्चर, 8 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग, 7 प्रतिशत हैण्डलूम व टैक्सटाइल, 6 प्रतिशत रिन्युएबल एनर्जी और 6 प्रतिशत एमएसएमई सेक्टर से संबंधित हैं। सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि उनके सेक्टर में स्थापित हो रही निवेश परियोजनाओं को नीतियों के तहत अनुमन्य सभी प्रोत्साहन एवं सुविधाएं समय से प्राप्त होती रहें। विभाग संबंधित जिलों के जिला प्रशासन से समन्वय बनाते हुए यह सुनिश्चित करें कि उद्यमियों को स्थानीय स्तर पर मिलने वाली समस्त सुविधाएं सुचारु रूप से प्राप्त हो।

अडानी का गोदाम उखाड़ फेंको : राज्यपाल मलिक

जयपुर, 12 जून (एजेन्सी)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। मलिक ने कहा कि पीएम मोदी बताएं अंबानी और अडानी मालदार कैसे हो गए। अडानी ने किसानों की फसल सस्ते दाम पर खरीदने और महंगे दामों पर बेचने के लिए पानीपत में बड़ा गोदाम बनाया है। अडानी का ऐसा गोदाम उखाड़ फेंको। डरने की जरूरत नहीं है। मैं आपके साथ जेल चलूंगा। जब तक इन लोगों पर हमला नहीं होगा, तब तक ये लोग रुकेंगे नहीं। राज्यपाल सतपाल मलिक ने कहा कि देश के एयरपोर्ट, रेलवे, शिपयार्ड सरकार के दोस्त अडानी को बेचे जा रहे हैं। हमें देश को बिकने से रोकना होगा। जब सब बर्बाद हो रहे हैं तो पीएम बताएं कि ये लोग कैसे मालदार हो रहे हैं। मोदी सरकार ने तीन कृषि कानून वापस ले लिए। अब तक एमएसपी पर फैसला नहीं किया है। ऐसे में अगर समय रहते एमएसपी पर कानून नहीं बनाया तो देश में किसानों और सरकार के बीच भयंकर लड़ाई होगी। मैं खुद अपना इस्तीफा जेब में लेकर घूमता हूं, किसानों के लिए 4 महीने बाद मैदान में उतर जाऊंगा।

राजधानी जयपुर में राष्ट्रीय जाट संसद को संबोधित करते हुए मलिक ने कहा कि मेरे तो राज्यपाल के तौर पर 4 महीने बचे हैं। जेब में इस्तीफा लेकर घूमता हूं, मां के पेट से गवर्नर बन कर नहीं आया था। इसलिए मैंने सोच रखा है कि रिटायर्ड होने के बाद किसानों के हक के लिए पूरी ताकत से जुट जाऊंगा। मेरा दो कमरे का घर ही मेरी ताकत है। इसलिए किसी से भी पंगा ले लेता हूं। राज्यपाल सतपाल मलिक ने कहा कि देश के एयरपोर्ट, रेलवे, शिपयार्ड सरकार के दोस्त अडानी को बेचे जा रहे हैं। हमें देश को बिकने से रोकना होगा। जब सब बर्बाद हो रहे हैं तो पीएम बताएं कि ये लोग कैसे मालदार हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी मोदी सरकार पर हमला बोल चुके हैं। मलिक ने जम्मू- कश्मीर का राज्यपाल रहने के दौरान अंबानी और आरएसएस से जुड़ी कथित फाइलों को लेकर 300 करोड़ रुपये की रिश्वत के ऑफर का दावा किया था। हालांकि, अंबानी और आरएसएस से जुड़े एक शख्स की दो फाइलों को मंजूरी देने के बदले 300 करोड़ की रिश्वत के ऑफर वाले दावों से सत्यपाल ने बाद में यू टर्न ले लिया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com